www.tamsasanket.com

वर्षः 30|| अंक 16 ||अम्बेडकरनगर

मंगलवार

07 अप्रैल 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:52
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार भारतः अस्थिर दुनिया में ... >>पेज 04 | एके-47 को खिलौना बताने ... >>पेज 06 | मैं पूरी तरह से मां पर ...

9 पुलिसकर्मियों को सजा-ए-मौत

बाप-बेटे को हिरासत में टॉर्चर कर ले ली थी जान

आरोपियों पर हत्या, गंभीर चोट पहुंचाने, साक्ष्य गढ़ने और झूठे मामले दर्ज करने के आरोप शामिल थे।

मृत्युदंड

तमसा संकेत, एजेंसी

मदुरै। मदुरै की एक अदालत ने सोमवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पुलिस हिरासत में पिता-पुत्र की मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मियों को सजा-ए-मौत सुनाई है। पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी। >> (शेष पेज 06 पर)

जयराज-बेनिक्स डेथ केस की टाइमलाइन

19 जून 2020: मोबाइल दुकान से जयराज और बेटे बेनिक्स को हिरासत में लिया गया।
19-20 जून: थाने में दोनों से मारपीट, गंभीर चोटें आईं।
22 जून: बेटे बेनिक्स की अस्पताल में मौत।
23 जून: पिता जयराज की भी मौत।
28 जून: जांच सीबीआई को सौंपी गई।
29 जून: मद्रास हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया।
सितंबर 2020: 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल।
18 फरवरी 2021: मामले में ट्रायल शुरू हुआ।
2021-2025: सुनवाई बार-बार टली।
जुलाई 2025: श्रीधर की सरकारी गवाह बनने की अर्जी खारिज।
नवंबर 2025: कोर्ट ने 3 महीने में ट्रायल पूरा करने को कहा
23 मार्च 2026: सेशन कोर्ट में 9 पुलिसकर्मी दोषी ठहराए गए।
6 अप्रैल: सेशन कोर्ट से 9 दोषियों को फांसी की सजा।

9 पुलिसकर्मियों में एक इंस्पेक्टर और एक सब-इंस्पेक्टर

दोषी ठहराए गए पुलिसकर्मियों में इंस्पेक्टर एस. श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी. रघु गणेश और के. बालकृष्णन, हेड कॉन्स्टेबल एस. मुरुगन और ए. समदुरई हैं। साथ ही कॉन्स्टेबल एम. मुथुराज, एस. चेल्लादुरई, एक्स. थॉमस फ्रांसिस और एस. वेलुमुथु शामिल हैं। मामले में 10वें आरोपी स्पेशल सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई की ट्रायल के दौरान कोविड से मौत हो गई थी। आरोपी विशेष उप-निरीक्षक पॉल्दुराई की मुकदमे के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी। >> (शेष पेज 06 पर)

सीबीआई जांच में हिरासत में पिटाई की पुष्टि हुई

मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य की CB-CID से लेकर CBI को सौंपी गई थी। एजेंसी ने एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिस-कर्मियों समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था।

जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल ने बयान दिया कि पिता-पुत्र को पूरी रात पीटा गया था। थाने में टेबल और लाठियों पर खून के निशान थे। यह गवाही मामले में अहम सबूत बनी।

फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी. मुथुकुमारन ने CBI की दलील को माना कि हिरासत में दोनों को योजनाबद्ध तरह से टॉर्चर किया गया। इसलिए अधिकतम सजा दी गई। हालांकि जांच में यह भी सामने आया कि सथानकुलम थाने का CCTV फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया। रिकॉर्डिंग रोजाना अपने आप डिलीट हो जाती थी, जिससे महत्वपूर्ण सबूत नहीं मिल पाए।

थाने में पिता-पुत्र को उतारा था मौत के घाट

आरोपियों को 23 मार्च 2026 को मदुरै की सेशंस कोर्ट में पेश किया गया था।

फैसला सुनाते हुए जज ने क्या कहा?

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। अदालत ने कहा कि हिरासत में हिंसा का यह स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में शामिल थे।

इजराइल का तेहरान में तीन एयरपोर्ट पर हमला

बुशहर में नेवी बेस उड़ाया, ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड पर भी अटैक

स्ट्राइक

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। इजराइल ने सोमवार को ईरान में कई अहम सैन्य ठिकानों पर हमले किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान के पास मौजूद तीन एयरपोर्ट्स पर भारी बमबारी की गई। इजरायल का कहना है कि इन हमलों में कई एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर और दूसरे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

इसी दौरान बुशहर में ईरान के बड़े नेवी बेस पर भी जोरदार धमाका हुआ। यहां नेवल बेस के साथ एयरफोर्स बेस, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन के अंडरग्राउंड स्टोरेज मौजूद थे। इसके अलावा इजराइल ने ईरान की सबसे बड़ी गैस फील्ड, साउथ पार्स, पर भी फिर से हमला किया है। >> (शेष पेज 06 पर)

- ईरान ने अमेरिका पर रेस्क्यू ऑपरेशन के बहाने यूरेनियन चुराने का शक जताया है। उसका कहना है कि यह सिर्फ पायलट को बचाने का मिशन नहीं था।
- ईरान का कहना है कि हो सकता है यह एक चाल हो और अमेरिका वहां से यूरेनियम लेने की कोशिश कर रहा हो।

ईरान ने ग्लोबल सप्लाई ठप करने की धमकी दी

ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है।

ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा कि किसी भी बड़ी कार्रवाई का जवाब सिर्फ सैन्य स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा और व्यापार पर असर डालकर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ही नहीं, बल्कि बाब-अल-मंदेब जैसे अहम समुद्री रास्ते भी खतरे में आ सकते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने का अल्टीमेटम दिया है और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इससे पहले ईरान के करीबी माने जाने वाले यमन के हूती विद्रोही रेड सी में जहाजों पर हमले की बात कह चुके हैं।

इजराइल ने सोमवार को ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर फिर से मिसाइल हमला किया। यह दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है, जो ईरान और कतर के बीच फैली हुई है।

हूती लड़ाकों का इजराइली सैन्य ठिकानों पर हमला

यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ मिलकर इजराइल के दक्षिणी शहर इलात पर हमला किया। हूती लड़ाकों के मुताबिक, इस हमले में इजराइल के कई अहम सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

हूती संगठन के टीवी चैनल अल-मसीरा पर जारी बयान में कहा गया कि यह एक जॉइंट अटैक था। वहीं, इजराइल की सेना ने भी माना है कि यमन की तरफ से ड्रोन भेजे गए थे, जो इलात की ओर आए।

फास्ट न्यूज

पश्चिम बंगाल चीफ सेक्रेटरी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में लगे 7 न्यायिक अधिकारियों के घेराव और उन पर हमले के मामले में राज्य के चीफ सेक्रेटरी दुष्यंत नारियाला को फटकार लगाई है।

सुनवाई | मांग

दिल्ली शराब घोटाला केस में केजरीवाल खुद पैरवी करेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केजरीवाल ने इस केस की जज स्वर्ण कांता शर्मा से खुद को अलग (recuse) करने की मांग की। कहा कि वे खुद दलीलें रखेंगे। अभी तक मैंने किसी को भी अपना वकालतनामा नहीं दिया है। जस्टिस शर्मा ने इस अर्जी को रिकॉर्ड पर लेते हुए इसकी सुनवाई 13 अप्रैल के लिए तय की। साथ ही CBI को कल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि अन्य कोई पक्ष भी यदि ऐसी अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है।

सिक्किम में बर्फबारी-भूस्खलन, 1500 टूरिस्ट फंसे

भोपाल/ लखनऊ/ शिमला/ देहरादून। सिक्किम के मंगन जिले में रविवार को लाचेन-चुंगथांग रोड पर तेज बारिश और बर्फबारी हुई। इसके कारण लैंडस्लाइड भी हुआ और सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें आ गईं। यहां 1500 टूरिस्ट फंसे हैं। यहां आज सुबह से ही पर्यटकों का रेस्क्यू जारी है।

उपराष्ट्रपति का मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने से इनकार

स्पीकर ने भी प्रस्ताव खारिज किया

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव पर 12 मार्च को 193 विपक्षी सांसदों (लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63) ने साइन किए थे।

कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर विचार के बाद स्पीकर बिरला और राधाकृष्णन ने इसे न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत मंजूरी नहीं दी। इस फैसले के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकेगी, जब तक नए सिरे से संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप पहल न की जाए। यह नोटिस INDIA गठबंधन के सभी दलों के सांसदों ने मिलकर साइन किया था। >> (शेष पेज 06 पर)

दोनों सदनों के 193 विपक्षी सांसदों ने साइन किए थे

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सोमवार दोपहर को सुरक्षा में चूक हुई। दोपहर करीब 2 बजे यूपी नंबर की कार वीआईपी एंट्री वाला गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसी। कार ड्राइवर ने नकाब पहना हुआ था।

अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर सीधे विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास गुलदस्ता रखकर कार समेत मौके से फरार हो गया। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली।

घटना के बाद दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची है। गेट नंबर 2 पर अब सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने आरोपी समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक उत्तर प्रदेश के पीलीभीत रहने वाला सरबजीत है।

पुलिस ने टाटा सिएरा कार भी बरामद की है।

मोदी सबरीमाला चोरी पर चुप रहे- प्रियंका, पीएम बोले- कांग्रेस पाकिस्तान का लिखा गीत गाती है

बीजेपी और एलडीएफ में सीक्रेट डील : प्रियंका

प्रचार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई । पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के तहत कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी केरल के कन्नूर पहुंचीं। उन्होंने कहा- आने वाले केरल चुनाव के लिए LDF और BJP के बीच एक सीक्रेट डील हुई है। हमने देखा कि सबरीमाला मंदिर में बड़े पैमाने पर चोरियां हुई हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की तरफ से एक शब्द भी नहीं आया। यहीं इस डील के सबूत हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को असम पहुंचे हैं। उनकी आज 3 रैलियां हैं। बरपेटा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वही गीत गाया, जो पाकिस्तान ने लिखा था और जिसकी धुन पाकिस्तान ने तैयार की थी। जो उसे पसंद है। कांग्रेस नेताओं का पाकिस्तान कनेक्शन हमेशा देश पर भारी पड़ता है। >> (शेष पेज 06 पर)

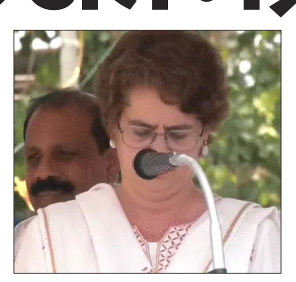

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पुडुचेरी पहुंचे हैं। उन्होंने लॉस्पेट में कहा- पुडुचेरी सरकार सभी कॉन्ट्रैक्ट से 30% कमीशन लेती है। उसने मंदिर की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। कांग्रेस सरकार यहां बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2 हजार की मदद देगा। महिलाओं को फ्री बस सर्विस मिलेगी।

नदिया में बीजेपी कार्यालय में तोड़फोड़

पश्चिम बंगाल के नदिया में BJP कार्यालय में हुई तोड़फोड़ को लेकर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि इस मामले में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के खिलाफ FIR दर्ज हो चुकी है और उनकी तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि घटना में शामिल लोग "गुंडे" हैं और मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अधिकारी ने कहा कि वह यहां से सीधे बेहाला जा रहे हैं और इस मुद्दे को लेकर खुली चुनौती दे रहे हैं। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में तनाव और बढ़ने की संभावना है।

प्रियंका बोलीं- एलडीएफ और बीजेपी के बीच एक सीक्रेट डील हुई

केरल के कन्नूर में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया- CPI(M) केरल में 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए BJP के साथ डील कर रही है। उन्होंने सत्ताधारी LDF पर 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए विचारधारा, जवाबदेही और जिम्मेदारी से समझौता करने का भी आरोप लगाया। >> (शेष पेज 06 पर)

सौंदर्यीकरण : योगी बोले- अंबेडकर की हर प्रतिमा पर छत्र लगवाएंगे

सत्ता नहीं, संस्कार की है भाजपा की विकास यात्रा : सीएम योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं में समाज व देश के लिए जीने की भावना जनसंघ काल से चली आ रही है। उनका जीवन राष्ट्र प्रथम के भाव और इसकी संकल्प सिद्धि के लिए ही समर्पित रहता है। अपने संस्थापकों के सिद्धांतों, मूल्यों व आदर्शों पर चलते हुए कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव से ही आज भाजपा देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी के रूप में प्रतिष्ठित हुई है।

सीएम योगी सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यकर्ताओं को उत्साहित व प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनंतकाल तक भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए हर राष्ट्रभक्त को भाजपा से जुड़ना चाहिए। हमारा जीवन व्यष्टि नहीं, समष्टि के लिए और व्यक्ति की बजाय राष्ट्र के लिए समर्पित हो, यही प्रेरणा पार्टी के संस्थापकों ने दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ/भाजपा की इस राजनीतिक परंपरा के पहले अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ाया। >> (शेष पेज 06 पर)

"भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए हर राष्ट्रभक्त को जुड़ना चाहिए भाजपा से - सीएम योगी"

- मानसरोवर रामलीला मैदान में भाजपा के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने
- संस्थापकों के आदर्शों और कार्यकर्ताओं के समर्पण से भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टीः सीएम योगी

बिना एड्रेस प्रूफ मिलेगा 5 किलोग्राम वाला सिलेंडर

आधार-पैन जैसी सिर्फ एक फोटो-आईडी दिखानी होगी

फैसला

स्टूडेंट्स और प्रवासी मजदूरों को राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । डिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन की दिक्कतों के बीच केंद्र सरकार ने 5Kg वाले LPG सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना किसी एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकेगा। >> (शेष पेज 06 पर)

सप्लाई पर असर के कारण छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव की वजह से एनर्जी लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा है। इसे देखते हुए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक लगभग 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। अकेले 4 अप्रैल को ही 90,000 यूनिट्स की बिक्री हुई। अधिकारियों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स पर स्टॉक की कोई कमी नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

‘कभी तमंचों के लिए बदनाम रहा यूपी’

अब बना ‘ड्रोन शक्ति’ का हब, मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप लखनऊ के युवाओं ने तैयार किया ‘दिव्यास्त्र’

पहचान

■ योगी सरकार की डिफेंस कॉरिडोर और स्टार्टअप नीति का असर, लखनऊ में निजी कंपनी का बड़ा इनोवेशन

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। कभी अवैध हथियारों और ‘तमंचों’ के लिए बदनाम रहा उत्तर प्रदेश अब नई पहचान गढ़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इसी बदलाव की मिसाल राजधानी लखनऊ में देखने को मिली, जहां एक प्राइवेट स्टार्टअप ने अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक विकसित की है। यह दर्शाता है कि योगी आदित्यनाथ के विजन और नीतियों का असर जमीन पर दिख रहा है, जहां कभी अपराध की पहचान थी, वहीं अब डिफेंस टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स का नया युग आकार ले रहा है। तीन युवा उद्यमियों - पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह द्वारा स्थापित कंपनी हॉवरिट (Hoverit) ने “दिव्यास्त्र एमके-1” नाम का एडवांस यूएवी तैयार किया है। यह ड्रोन आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जो निगरानी के साथ-साथ सटीक हमले करने में सक्षम है।

इस ड्रोन की प्रमुख खासियत इसकी 500 किलोमीटर की रेंज, लगभग 5 घंटे की उड़ान क्षमता और एआई आधारित

500 किमी रेंज, एआई बेस्ड सिस्टम और कम लागत, यूपी के युवाओं का ड्रोन बनेगा सेना के लिए गेमचेंजर

टारगेटिंग सिस्टम है। यह 10,000 फीट तक उड़ सकता है और करीब 15 किलोग्राम तक पेलोड ले जाकर सटीक निशाना साध सकता है। लागत के मामले में भी यह बाजार के अन्य विकल्पों से काफी सस्ता बताया जा रहा है। यही नहीं, कंपनी ने डिफेंस सेक्टर के लिए कई तरह के ड्रोन और यूएवी विकसित किए हैं, जिनमें निगरानी के लिए “आंख” ड्रोन, 20 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने वाला “बाज” ड्रोन, शेल (बम) गिराने वाले ड्रोन, VTOL यूएवी (जो बिना रनवे के उड़ान भरते हैं) शामिल हैं।

आगे बढ़ने का मौका

स्टार्टअप के संस्थापकों का कहना है कि प्रदेश में बेहतर नीतियों और डिफेंस कॉरिडोर जैसी योजनाओं के चलते उन्हें तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिला। यही कारण है कि आज यह कंपनी भारतीय सेना के लिए ड्रोन सप्लाई करने की दिशा में काम कर रही है और उसे शुरुआती ऑर्डर भी मिल चुके हैं। आने वाले समय में कंपनी “एमके-2” वर्जन पर भी काम कर रही है, जिसकी रेंज 2000 किलोमीटर और पेलोड क्षमता 80 किलोग्राम तक हो सकती है। इसके लिए यूपी डिफेंस कॉरिडोर में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जा रही है, जहां हर महीने 20 ड्रोन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

सपा विधायक का फर्श पर बैठकर प्रदर्शन

बोले- पानी नहीं मिल रहा, जलकर बढ़ गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा सोमवार को अपने पार्षदों और नेताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने नगर निगम का घेराव करते हुए मुख्यालय परिसर के ग्राउंड फ्लोर पर बैठकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि पिछले कई दिनों से उनके विधानसभा क्षेत्र में पानी, सड़क और साफ-सफाई की समस्या बनी हुई है। लेकिन, नगर निगम की लापरवाही से कोई काम नहीं हो रहा है। उनके क्षेत्र में लोगों को पानी नहीं मिल रहा है और नगर निगम ने जलकर बढ़ा दिया।

विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- नगर निगम क्षेत्र के अंदर बहुत नागरिक समस्याएं हैं। नगर निगम उन समस्याओं के निदान पर काम नहीं कर रहा है। जगह-जगह कूड़ा लगा

है। इससे लोगों में बीमारियां फैल रही हैं। कूड़ा हटाने के बजाय उस पर टैक्स लगाया जा रहा है। लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाना था लेकिन यहां स्मार्ट टैक्स लगाए जा रहे हैं। पानी नहीं मिल रहा है और जलकर बढ़ा दिया गया है। सपा की राष्ट्रीय सचिव लता जायसवाल ने कहा- सरकार सबको एक नजर से नहीं देख रही है। हमारे पार्षदों को बजट नहीं दिया जा रहा है। हमारे क्षेत्रों में पानी की बहुत समस्या है। नाली खराब है, सबमर्सिबल खराब है। जो पानी आ भी रहा है, वह गंदा है। उसे पी नहीं सकते। सपा पार्षदों के पास फंड नहीं है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में डाला की टक्कर से महिला की मौत

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। तेज रफ्तार डाला की टक्कर से यह हादसा हुआ, जिसमें महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद डाला चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

महिला के पास मिले 53 कारतूस

लखनऊ। लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र स्थित बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा जांच के दौरान एक महिला के बैग से 53 कारतूस मिले। पुलिस ने मौके पर ही महिला को गिरफ्तार कर लिया। रविवार देर रात करीब 11:59 बजे मेट्रो स्टेशन पर एक्स-रे मशीन (XBIS) से स्कैनिंग के दौरान एक काले रंग के बैग में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। शक होने पर महिला सुरक्षा गार्ड ने बैग की तलाशी ली, जिसमें 35 जिंदा कारतूस (.303 बोर) क्लिप चार्जर के साथ मिले। दूसरे पर्स में 18 जिंदा कारतूस (9MM) और एक पन्नी में 9 खोखा (9MM) व 1 खोखा (.303 बोर बरामद हुआ।

घर में घुसकर परिवार को पीटा

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के निजामपुर मल्हौर स्थित एक कॉलोनी में रविवार देर रात दबंगों का तांडव देखने को मिला। आरोप है कि 15-20 लोग लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस होकर एक घर में घुस आए और जमकर मारपीट की। इस दौरान एक किशोरी को जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश भी की गई। पीड़िता के मुताबिक, रविवार रात करीब 10:30 बजे उनके घर के बाहर शोर-शराबा और बचाओ-बचाओ की आवाजें आ रही थीं।

प्रेरणा स्थल पर भाजपा का स्थापना दिवस

75 साल से संघ से जुड़े कार्यकर्ता भी पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार सुबह 10 बजे कैसरबाग स्थित पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण के साथ हुई। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

अब प्रेरणा स्थल पर 1990 से पहले भाजपा से जुड़े 300 से अधिक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, वरिष्ठ नेता डॉ. नीरज सिंह और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित कई प्रमुख नेता मौजूद हैं।

इस बार स्थापना दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक

सीमित न रखते हुए इसे संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा तीन लोगों से शुरू होकर आज यह पार्टी देश के 21 राज्यों में या तो पूर्ण बहुमत से या फिर अपने सहयोगी पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाई है।

कन्नौज में शोरूम उद्घाटन के दौरान भाजपा पर साधा निशाना

‘संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पीडीए की भूमिका अहम’

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/कन्नौज । अखिलेश यादव ने कहा है कि संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण की रक्षा की जिम्मेदारी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्ग की है। उन्होंने कहा कि Samajwadi Party बाबा साहब B. R. Ambedkar के संविधान, Ram Manohar Lohia के सिद्धांतों और Mulayam Singh Yadav के संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। अखिलेश यादव सोमवार को कन्नौज में एक कार शोरूम के उद्घाटन के मौके पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शोरूम मालिकों को नए उद्यम के लिए शुभकामनाएं भी दीं। Bharatiya Janata Party पर निशाना साधते

2027 चुनाव की तैयारियों का किया आह्वान

हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता को राहत देने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद से लेकर गैस सिलेंडर तक में अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कन्नौज की सभी सीटों पर समाजवादी पार्टी जीत हासिल करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भाजपा जनता से हारने लगती है तो वह चुनाव आयोग के माध्यम से साजिश करने की कोशिश करती है। महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने के पक्ष में है, लेकिन वर्तमान में जो आरक्षण की बात हो रही है वह 2011 की जनगणना पर आधारित है, जो अब पुरानी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी को देखते हुए नए आंकड़ों के आधार पर आरक्षण तय होना चाहिए। अखिलेश यादव ने भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ये लोग न तो समाजवादी विचारधारा में विश्वास रखते हैं और न ही संविधान के मूल्यों को सही मायनों में स्वीकार करते हैं।

युद्ध और महंगाई पर चिंता जताई

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी हमेशा युद्ध के खिलाफ रहे हैं और चाहते हैं कि वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्ष जल्द खत्म हों। उन्होंने कहा कि युद्ध के चलते अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और आम जनता को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर की किल्लत और कीमतों को लेकर उन्होंने सरकार पर सवाल उठाए।

लॉ यूनिवर्सिटी के स्विमिंग पूल में इंटर का छात्र डूबा

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी परिसर में बने स्विमिंग पूल में रविवार रात नहाने के दौरान इंटर का छात्र डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय उसका बड़ा भाई और दो अन्य युवक भी पूल में मौजूद थे। इन दोनों के सामने ही छात्र गहरे पानी में चला गया। जानकारी होने पर लाइफगार्ड ने उसे पानी से बाहर निकाला। अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। छात्र की पहचान आशियाना निवासी अमित भूषण के 17 साल का बेटा कुशाग्र भूषण के रूप में हुई। कुशाग्र अपने भाई और उसके दोस्त के साथ राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी में स्विमिंग करने गया था। परिजनों के मुताबिक, कुशाग्र ने इसी साल बोर्ड पेपर दिया था। उसके पिता अमित भूषण एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट हैं। परिवार में मां प्रतिभा और बड़ा भाई प्रणव हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना ने सपनों को दिया नया आकार

योगी सरकार की पहल से अमेठी की पूनम बनीं आत्मनिर्भर उद्यमी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । जब इच्छाशक्ति मजबूत हो और सही समय पर सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो साधारण परिस्थितियां भी असाधारण सफलता की कहानी बन जाती हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है अमेठी जिले के गौरीगंज में रहने वाली पूनम की, जिन्होंने योगी सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ उठाकर अपने सपनों को हकीकत में बदल दिया। इस आर्थिक सहयोग के साथ पूनम ने अपने गांव में “मुन्ना कैलाश ज्वेलर्स” नाम से आर्टिफिशियल ज्वेलरी की दुकान गौरीगंज में शुरू की। शुरुआत आसान नहीं थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय गति पकड़ने

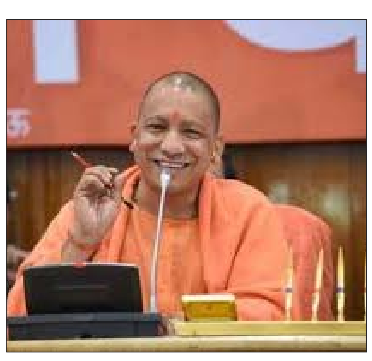

लगा और ग्राहकों का भरोसा बढ़ने लगा। आज उनकी दुकान न केवल उनके परिवार की आय का मुख्य स्रोत बन चुकी है, बल्कि गांव में खास पहचान भी बना चुकी है। इस सफर में उनके पति भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। अब दोनों मिलकर व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। यह साझेदारी न केवल

पूनम की कहानी यह दर्शाती है कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सही उपयोग करने पर ये आम लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना ने उन्हें सिर्फ आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास भी दिया।

आर्थिक मजबूती का प्रतीक है, बल्कि पारिवारिक सहयोग और विश्वास की मिसाल भी है। आज पूनम न केवल अपने परिवार का सहारा हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन चुकी हैं।

सरकारी योजना से मिला ऋण तो बदली अपनी पहचान

पूनम ने अगस्त 2025 में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत आवेदन किया। शुरुआत में उन्हें इस योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन एक मित्र के माध्यम से उन्हें इस योजना का पता चला। उन्होंने हिम्मत दिखाई और आवेदन किया। दिसंबर 2025 में उन्हें 2.55 लाख की पहली वित्तीय सहायता मिली, जिसके बाद 1.70 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि उन्हें इंडियन बैंक से प्राप्त हुई। शेष पूंजी की व्यवस्था उन्होंने स्वयं की, जो उनके दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास को दर्शाता है।

कानपुर फूलबाग फल मंडी में भीषण आग लगी भारी नुकसान

बिजली के तार से निकली चिंगारी से आग भड़की, सिलेंडर फटा

■ 20 से ज्यादा अस्थाई घर और दुकानें खाक

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के फूलबाग फल मंडी में सोमवार शाम को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 20 से ज्यादा दुकानें और अस्थाई घर जलकर खाक हो गए। लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की छह से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं।

अस्थाई घरों में आग लगने के बाद पूरी बस्ती व दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते धू-धू कर फलमंडी की दुकानें जलने लगीं। सीएफओ ने बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री ओईएफ के ठीक बगल अग्निकांड होने के चलते कई टीमों को लगाया गया है। इससे कि आग को फौरन काबू किया जा सके।

आग लगने की यह घटना सोमवार की शाम 5.45 पर आग लगी। सिलेंडर के धमाके के साथ आग तेजी से फैल गई।

मंडी में टीनशेड के ऊपर के तारों से चिंगारी निकली

फूलबाग मंडी में फल और सब्जी बेचने वालों का परिवार भी रहता है। जिनके मकान और दुकान में आग लगी है, उनका कहना है कि शाम को अचानक टीन शेड के ऊपर निकले तारों से चिंगारी निकली। उसी से आग लग गई। इसके बाद अचानक एक गैस सिलेंडर में धमाका हो गया।

तैनाती : हाईकोर्ट ने 266 एडीजे के ट्रांसफर किए, कहा- 15 अप्रैल तक चार्ज संभाल लें

यूपी के 13 जज पति-पत्नी की एक जिले में पोस्टिंग

■ 266 जजों की सूची में कई ऐसे कपल हैं, जिनको साथ में पोस्टिंग दी गई है। आजमगढ़ से संतोष कुमार यादव और उनकी पत्नी संदीपा यादव को बरेली भेजा गया है। गौतमबुद्ध नगर से विकास नागर और उनकी पत्नी प्रतीक्षा नागर को गोरखपुर ट्रांसफर किया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रविवार को 266 एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन जजों के ट्रांसफर कर दिए। इनमें जज पति-पति को एक ही जिले में पोस्टिंग दी गई है। करीब 13 ऐसे जोड़े शामिल हैं,जो अब एक साथ रहेंगे।

महानिबंधक मनजीत सिंह श्योराण ने ट्रांसफर लिस्ट जारी की है। हाईकोर्ट ने सभी अधिकारियों से कहा है कि 15 अप्रैल तक अपना चार्ज सौंपना होगा और नई तैनाती स्थल पर जिम्मेदारी संभालनी होगी।

गोपाल जी और उनकी पत्नी मचाला अग्रवाल को बुलंदशहर से संभल भेजा गया है। गौरव शर्मा और

उनकी पत्नी नीतू पाठक को गाजियाबाद से वाराणसी ट्रांसफर किया गया है। लखनऊ में तैनात निशांत यादव और उनकी पत्नी अर्चना यादव को शाहजहांपुर ट्रांसफर किया गया है। इसी तरह लखनऊ में ही तैनात ज्योत्ना सिवाच और उनके पति अनुराग पंवार को लखनऊ से मुजफ्फरनगर भेजा गया है। मुजफरनगर में तैनात सीता राम और उनकी पत्नी अलका भारती को रामपुर में पोस्टिंग दी गई है। शाहजहांपुर में तैनात मनोज कुमार सिद्धू और उनकी पत्नी गरिमा सिंह को मुजफ्फरनगर भेजा गया है। शाहजहांपुर में ही तैनात अभय प्रताप सिंह और उनकी पत्नी अनुराधा पुंडीर को प्रयागराज में तैनाती दी गई है। उन्नाव में तैनात मनीष निगम और उनकी पत्नी पूनम द्वितीय को गाजियाबाद भेजा गया है। प्रतापगढ़ में तैनात अजहय कुमार और उनकी पत्नी पारुल वर्मा को मेरठ में तैनाती दी गई है।

विशेष पदों पर पोस्टिंग

कई जजों को हाईकोर्ट, ज्यूडिशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (JTRI), लखनऊ बेंच, विभिन्न ट्रिब्यूनल्स और सरकारी विभागों में विशेष जिम्मेदारियों पर भेजा गया है। इनमें रजिस्ट्रार (ज्यूडिशियल), एडिशनल डायरेक्टर JTRI, स्पेशल सेक्रेटरी एवं एडिशनल लॉ ऑफिसर आदि शामिल हैं।

लखनऊ में 530 स्कूली वैन अनफिट

लखनऊ। लखनऊ में स्कूली बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। परिवहन विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, शहर में 530 अनफिट और 168 बगैर परमिट स्कूली वाहन धड़ल्ले से सड़कों पर दौड़ रहे हैं। यानी कुल 698 ऐसे वाहन हैं, जिनसे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई बेहद धीमी बनी हुई है। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही करीब दो लाख बच्चे रोजाना स्कूल वैन, ऑटो, ई-रिक्शा और निजी वाहनों से सफर कर रहे हैं। इसके बावजूद सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है।

स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब सामने आता है कि शहर में करीब 3800 ऐसे ‘घोस्ट’ वाहन भी चल रहे हैं जिनका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। इन वाहनों का रजिस्ट्रेशन समाप्त हो चुका है, फिटनेस नहीं है और परिवहन विभाग के पास इनका कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। इनमें से अधिकतर वाहन ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चों को ढो रहे हैं, जहां निगरानी लगभग न के बराबर है।

फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

15 अप्रैल तक ग्राम सचिवालय में लगाया जाएगा कैंप

■ समस्त ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान व पंचायत सचिवों को जोड़ा जाएगा

■ फार्मर रजिस्ट्री में पीएम किसान योजना के तहत संख्या 1,72,06,355 तक पहुंची

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए विशेष अभियान चलाएगी। यह अभियान 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संचालित होगा, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम सचिवालय में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाएगा। योगी सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना है, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अन्य कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। अभियान के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से शेष कृषकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ नाम संबंधी त्रुटियों का भी तत्काल निराकरण किया जाए। इस कार्य में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं लेखपालों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिसमें लेखपालों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत के कम से कम एक शिविर में उपस्थित रहने को कहा गया। सभी ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, ताकि हर पात्र किसान का पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कैंप के दौरान किसानों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दें और मौके पर ही रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कराएं। अब तक प्रदेश में 1,72,06,355 किसानों को पीएम किसान योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा चुका है। हालांकि, अभी भी बड़ी संख्या में किसान ऐसे हैं, जिनका पंजीकरण बाकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इस पहल से न केवल किसानों का सटीक डाटाबेस तैयार होगा, बल्कि भविष्य में कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में भी पारदर्शिता और तेजी आएगी।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे भूमि अर्जन प्रस्तावित, प्रक्रिया शुरू

जलालपुर और अकबरपुर में बनेगा औद्योगिक गलियारा

योजना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित करने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इस परियोजना के तहत जलालपुर और अकबरपुर तहसील क्षेत्रों में भूमि अर्जन प्रस्तावित है।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के अनुसार, यह परियोजना उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। परियोजना के लिए जलालपुर तहसील के ग्राम नूरपुरकला, गौरीबड़ाह और अजमलपुर को चिन्हित किया गया है। वहीं अकबरपुर तहसील के ग्राम नूरपुरकला बेवाना, जगदीशपुर मुस्लिमपुर, खानजहांपुर, सिवरा और होरिलपुर को भी शामिल किया गया है। इन सभी गांवों की भूमि औद्योगिक गलियारे के विकास के लिए प्रस्तावित है। इससे क्षेत्र में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशासन के अनुसार, सामाजिक समाघात आंकलन रिपोर्ट ग्राम पंचायत, परगना मजिस्ट्रेट कार्यालय और जिलाधिकारी कार्यालय में उपलब्ध है। इसके अलावा इसे जनपद की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। भूमि से जुड़े हितधारकों को रिपोर्ट देखने और आवश्यक जानकारी प्राप्त करने की सुविधा दी गई है। इससे प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है।

सामाजिक प्रभाव का आकलन पूरा

भूमि अर्जन से पहले सामाजिक प्रभाव का आकलन किया गया है। इसके तहत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट और प्रबंधन योजना तैयार की गई है। यह रिपोर्ट नामित एजेंसी Atlas Management Consultancy Services Pvt. Limited द्वारा तैयार की गई है। रिपोर्ट में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले लोगों और क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन किया गया है। इसके आधार पर पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन की योजना भी बनाई गई है।

> इस परियोजना के लागू होने के बाद क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। एक्सप्रेसवे के किनारे उद्योग स्थापित होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।प्रशासन का कहना है कि सभी प्रक्रियाएं तय नियमों के तहत पूरी की जाएंगी। साथ ही प्रभावित लोगों के अधिकारों का ध्यान रखा जाएगा।

कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ रहा काम

प्रशासन ने बताया कि पूरी प्रक्रिया भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 और उत्तर प्रदेश नियमावली-2016 के तहत की जा रही है।

धारा-6 और नियम-8 के अंतर्गत प्रस्तावित भूमि से जुड़े सभी लोगों को सूचना दी गई है। प्रभावित व्यक्ति संबंधित रिपोर्ट का अवलोकन कर सकते हैं।

सरकारी कैंपस में ई-रिक्शा की चार्जिंग पर सवाल

प्रतिबंधित पुरानी तहसील परिसर में निजी वाहनों की आवाजाही

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जनपद मुख्यालय स्थित असिस्टेंट कमिश्नर कार्यालय के कैंपस में इन दिनों एक अलग स्थिति देखने को मिल रही है। यहां रोजाना कई ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा खड़े नजर आते हैं। ये वाहन सरकारी बिजली कनेक्शन से बैटरी चार्ज करते दिखाई देते हैं।

यह परिसर पुरानी तहसील क्षेत्र में आता है, जिसे प्रतिबंधित और संवेदनशील माना जाता है। यहां आम वाहनों के प्रवेश और पार्किंग पर रोक है। इसके बावजूद निजी वाहनों की मौजूदगी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दिन भर ई-रिक्शा चालक कैंपस में प्रवेश करते हैं। वे वहां मौजूद बिजली पॉइंट से बैटरी चार्ज करते हैं। यह सिलसिला नियमित रूप से चल रहा है। परिसर में तैनात कर्मचारी भी इस पर रोक लगाते नजर नहीं आते। पुरानी तहसील क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। ऐसे में सुरक्षा और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यहां वाहन पार्किंग पर पहले से ही प्रतिबंध लागू है। जानकारों का कहना है कि एक ई-रिक्शा को चार्ज करने में औसतन 8 से 10 यूनिट बिजली खर्च होती है। ऐसे में लगातार चार्जिंग से बिजली खपत बढ़ रही है। यह बिजली सरकारी मीटर से ली जा रही है, जिस पर सार्वजनिक धन खर्च होता है। ऊर्जा और लोक निर्माण विभाग के नियमों के अनुसार, सरकारी परिसर में निजी वाहनों द्वारा बिजली उपयोग की अनुमति नहीं होती। केवल अधिकृत सरकारी वाहनों को ही इसकी सुविधा दी जाती है।

> स्थानीय नागरिकों ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि नियम लागू होने के बावजूद उनका पालन नहीं हो रहा। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से इस स्थिति पर स्पष्ट जवाब मांगा गया है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह व्यवस्था किसी अनुमति के तहत चल रही है या यह निगरानी की कमी का परिणाम है।

फास्ट न्यूज

संत बाबा गोविंद साहब धाम के पर्यटन विकास कार्यों का भूमिपूजन

अंबेडकरनगर । जनपद में संत बाबा गोविंद साहब धाम के पर्यटन विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। MLC हरिओम पांडेय ने परियोजना के सफल और समयबद्ध संपन्न होने की कामना की। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को परियोजना के महत्व और पर्यटन क्षेत्र में विकास के प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में टेंडर प्रक्रिया में बड़ा खेल

अम्बेडकरनगर । जनपद में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत हुई टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत सचिवों ने नियमों की अनदेखी कर ऑफलाइन टेंडर प्रक्रिया कराई, जिससे राजस्व को भारी नुकसान हुआ है। सूत्रों के अनुसार, कई टेंडरों में एक ही फार्म पर दो या तीन परियोजनाओं का ऑफलाइन टेंडर कराया गया। जबकि 10 लाख रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन टेंडर अनिवार्य है। इस अनियमित प्रक्रिया से शासनादेश और निर्धारित नियमों की धज्जियां उड़ गईं।

काशी में गंगा में नाविकों ने बीयर पी

वाराणसी । काशी में गंगा नदी के बीच नाविकों ने नाव पर वियर पार्टी की। रविवार को हुई इस पार्टी में नाविकों ने वियर पार्टी के बाद डीजे पर डांस किया। इसके बाद खुद ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। इसके बाद वीडियो तेज से शेयर किया जाने लगा।

वीडियो आने के बाद पुलिस जांच में पुलिस जुटी है। जानकारी के मुताबिक, रविवार को अष्टमी थी।

तुलसीपुर के अनिल पांडे बने प्रदेश टॉपर जिले का नाम रोशन

समीक्षा अधिकारी परीक्षा में पहला स्थान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव निवासी अनिल पांडे ने समीक्षा अधिकारी (RO) परीक्षा में प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस सफलता के बाद पूरे जिले में चर्चा का माहौल है।अनिल पांडे की इस उपलब्धि से गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुशी देखी जा रही है। परिवार के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। लोगों का कहना है कि यह परिणाम लगातार मेहनत और अनुशासन का नतीजा है।

बताया जा रहा है कि अनिल पांडे ने सीमित संसाधनों के बीच तैयारी की। उन्होंने नियमित अध्ययन और स्पष्ट लक्ष्य के साथ परीक्षा की तैयारी की। इसी का परिणाम है कि उन्होंने प्रदेश स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया।परिवार के सदस्यों ने बताया कि अनिल शुरू से ही पढ़ाई को लेकर गंभीर रहे हैं। उन्होंने समय का सही उपयोग किया और तैयारी में निरंतरता बनाए रखी।

अनिल की सफलता की जानकारी मिलते ही गांव में लोगों का आना-जाना शुरू हो गया। स्थानीय लोग उनके घर पहुंचकर बधाई दे रहे हैं। गांव के युवाओं में भी इस सफलता को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।लोगों का कहना है कि इस तरह की उपलब्धियां क्षेत्र के लिए सकारात्मक संदेश देती हैं।

अल्पविकसित योजना के तहत 7 करोड़ की परियोजना

बृजेंद्र वीर सिंह

इंटरलॉकिंग सड़कें और नाले निर्माण कार्य शुरू

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । जनपद की दो नगरपालिकाओं और चार नगर पंचायतों में अल्पविकसित योजना के तहत कुल 7 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना के तहत लगभग 50 स्थानों पर इंटरलॉकिंग सड़कें, नालियां और नाले बनाए जाएंगे। इससे करीब चार लाख नागरिकों को बेहतर जल निकासी और सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने इस परियोजना के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। नगर विकास विभाग द्वारा स्वीकृति और बजट मिलने के बाद कई स्थानीय निकायों ने निर्माण कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर दी है। कुछ स्थानों पर कार्य शुरू भी हो चुका है और शेष क्षेत्रों में जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होंगे। योजना के तहत जलालपुर नगरपालिका में दस स्थानों पर इंटरलॉकिंग सड़क, नाली और नाले का निर्माण किया जाएगा। अकबरपुर नगर पालिका में पांच स्थानों पर कार्य होगा। इसके अलावा नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा, इल्तिफातगंज, जहांगीरगंज और राजेसुल्तानपुर में कच्ची सड़कों और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। इन क्षेत्रों के नागरिकों को भले ही शहर का दर्जा प्राप्त है, लेकिन उन्हें अब तक मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाई थीं। कच्ची सड़कें और जलभराव की समस्याएं बरसात के मौसम में आवागमन को कठिन बना देती थीं।

डूडा के परियोजना अधिकारी विशाल सारस्वत ने बताया कि अल्पविकसित योजना के तहत इन छह नगरों में इंटरलॉकिंग सड़कों, नालियों और नालों के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और अन्य स्थानों पर कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे। नई सड़कों और नालियों के निर्माण से नागरिकों को जलभराव और गड्ढों से निजात मिलेगी।

बसखारी बाईपास पर टोरेंट कंपनी के वाहन में सीएनजी रिसाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । बसखारी बाईपास पर शनिवार को टोरेंट कंपनी के वाहन में अचानक सीएनजी गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। वाहन आलापुर से अकबरपुर की ओर जा रहा था। रिसाव के समय चालक ने वाहन को मौके पर छोड़कर दूर हटकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित की।

सूचना मिलने पर प्रशासनिक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और दोनों ओर से सड़क पर आवागमन रोक दिया। कुछ ही मिनटों में पुलिस, फायर ब्रिगेड और गैस कंपनी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए।

करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। अधिकारियों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे। फायर ब्रिगेड और तकनीकी टीम ने रिसाव वाले सिलिंडर को सुरक्षित ढंग से खाली किया और उसका नॉब ठीक किया। घटना स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि समय पर की गई कार्रवाई के कारण किसी तरह का बड़ा हादसा होने से बच गया। आम लोग और वाहन चालकों को सुरक्षित स्थानों पर रखा गया, जिससे नुकसान की संभावना न्यूनतम रही। सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मियों के साथ गैस कंपनी के तकनीशियन भी शामिल थे।

> प्रशासन और फायर ब्रिगेड ने समय पर कार्रवाई कर बड़ा हादसा टाला

प्रशासन ने जारी की स्थिति रिपोर्ट, घबराने की जरूरत नहीं

गैस, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता

राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । एलपीजी गैस, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। 6 अप्रैल 2026 को जनपद में 8601 एलपीजी गैस सिलेंडर, 2226 किलोलीटर डीजल और 1830 किलोलीटर पेट्रोल उपलब्ध बताया गया है।

इसके अलावा गैस एजेंसियों पर 784 छोटू कमर्शियल सिलेंडर भी उपलब्ध हैं। प्रशासन ने कहा है कि आम उपभोक्ता, प्रवासी श्रमिक और छोटे व्यवसायी अपनी जरूरत के अनुसार सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। प्रशासन ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे गैस कंपनियों के मोबाइल ऐप का उपयोग करें। Indane Oil One, HP Pay और Hello BPCL के माध्यम से बुकिंग और जानकारी ली जा सकती है। इससे उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी या गोदाम जाने की जरूरत नहीं होगी। प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे नियमानुसार सिलेंडर वितरण सुनिश्चित करें। किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

> प्रशासन के अनुसार, जरूरतमंद लोग अपनी पहचान पत्र दिखाकर संबंधित गैस एजेंसी से छोटू कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर ले सकते हैं। इससे छोटे दुकानदारों और रेहड़ी लगाने वालों को सुविधा मिलेगी।

मार्च की बुकिंग पर नया नियम लागू

अधिकारियों ने बताया कि मार्च 2026 में जिन उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कर डीएसी नंबर प्राप्त किया था, उन्हें नए वित्तीय वर्ष 2026-27 में निष्क्रिय कर दिया गया है। अब गैस कंपनियां उपभोक्ताओं को नए डीएसी नंबर जारी कर रही हैं। नया डीएसी नंबर सक्रिय होने के बाद गैस एजेंसियां उपभोक्ताओं से संपर्क कर सिलेंडर की होम डिलीवरी कर रही हैं। डिलीवरी की समय सीमा 7 दिन तय की गई है।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पुरस्कारों से प्रोत्साहन

सीडीओ ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। टांडा – पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय खासपुर एवं त्रिवेणी मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को स्कूल चलो अभियान और स्व. श्यामलाल वर्मा मेमोरियल ब्लॉक स्तरीय दक्षता परीक्षा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने किया। उन्होंने 'स्कूल चलो अभियान' का औपचारिक उद्घाटन करते हुए सभी अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला है। दक्षता परीक्षाओं से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर दक्षता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रथम स्थान प्राप्त उम्मे कुलसूम को साइकिल और पुस्तक, द्वितीय स्थान प्राप्त अंशिका को 3000 रुपये और पुस्तक तथा तृतीय स्थान प्राप्त आदित्य को 2500 रुपये और पुस्तक से सम्मानित किया गया। इसके अलावा सात अन्य विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप 1000 रुपये और पुस्तक देकर प्रोत्साहित किया गया। वार्षिक परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। ट्रस्ट ने मेधावी विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की, जिससे बच्चों में उत्साह का वातावरण बना। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व अध्यापक हरीराम वर्मा, महावीर वर्मा और पूर्व छात्र, जो विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत हैं, को भी सम्मानित किया गया।

न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की जांच

एएसपी पश्चिमी ने किया निरीक्षण, कर्मियों को दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेंद्र कुमार ने जनपद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे परिसर का जायजा लेकर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान न्यायालय परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की मौजूदगी, उनकी तैनाती और सतर्कता को देखा गया। प्रवेश द्वार, जांच बिंदु और आसपास के क्षेत्रों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।ASP पश्चिमी ने मौके पर मौजूद कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा। साथ ही, सभी को सतर्क रहकर अपनी ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय परिसर संवेदनशील स्थान होता है, इसलिए यहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत और प्रभावी रहनी चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सामान्य पाई गई।

आयोजन: जिला कार्यालय अटल भवन में ध्वजारोहण, गोष्ठी और स्वागत कार्यक्रम

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस सोमवार को जिला कार्यालय अटल भवन में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी के नेतृत्व में पार्टी का ध्वज फहराकर की गई। इसके बाद डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया।

त्रयंबक तिवारी ने कहा कि पार्टी की सोच राष्ट्रवाद और एकात्म मानववाद पर आधारित है। उन्होंने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी सोच और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन्हीं विचारों के कारण पार्टी आज बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हुई है। उन्होंने पार्टी की यात्रा, संगठनात्मक विस्तार और सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। साथ ही कहा कि संगठन अपने रचनात्मक कार्यों और आंदोलनों के लिए जाना जाता है।

कार्यक्रम में विभिन्न जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता त्रयंबक तिवारी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री दिलीप पटेल देव ने किया। गोष्ठी को एमएलसी हरिओम पांडेय, विधायक धर्मराज निषाद, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी, कपिल देव वर्मा, राम प्रकाश यादव, यमुना प्रसाद चतुर्वेदी, रमा शंकर सिंह समेत कई नेताओं ने संबोधित किया।

गोष्ठी में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

ध्वजारोहण के बाद कार्यालय के मीटिंग हाल में गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका और नगर पंचायतों में शासन द्वारा नामित सभासदों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थापना सेवा, समर्पण और त्याग के मूल्यों पर हुई थी। उन्होंने कहा कि इन विचारों के आधार पर संगठन लगातार आगे बढ़ा है।

उसरहा में धूमधाम से मनाई गई निषादराज जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जलालपुर विधानसभा क्षेत्र के उसरहा गांव में निषादराज जयंती समारोह का आयोजन पीडीए चौपाल के रूप में किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और वरिष्ठ नेता भीम निषाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निषाद समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों, दलितों एवं अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भीम निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि निषादराज जयंती हमारे गौरवशाली इतिहास और समुदाय की अस्मिता से जोड़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि पीडीए समाज के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों की आवाज समाजवादी पार्टी ही उठाती रही है।

भीम निषाद ने साफ कर दिया कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में जलालपुर क्षेत्र में उनका और समाजवादी पार्टी का अभियान मजबूत रहेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज और अन्य पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक वर्ग समाजवादी पार्टी के पक्ष में एकजुट होकर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में वर्तमान सरकार की नीतियों पर भी चर्चा हुई। भीम निषाद ने कहा कि महंगाई और जनता की परेशानियों के बीच समाजवादी पार्टी ही लोगों की समस्याओं का समाधान कर सकती है।

> भीम निषाद ने जलालपुर विधानसभा में अपनी पकड़ मजबूत करने का दिया संकेत

सम्पादकीय

बेलगाम अमेरिकी राष्ट्रपति

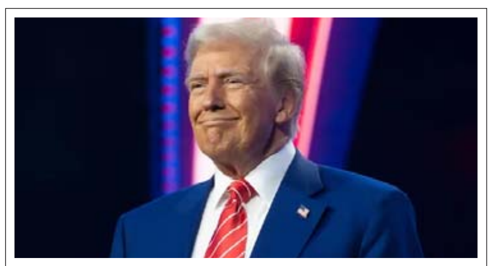

यह सही है कि अमेरिका ने एक साहसिक कार्रवाई में ईरान में मार गिराए गए अपने विमान के पायलट को बचाकर अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, पर इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ईरान जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम बना हुआ है। अमेरिका और ईरान के रवैये को देखते हुए यही लगता है कि यह युद्ध जारी रहेगा। यदि ऐसा होता है तो पहले से ही दुनिया के लिए समस्या बना ऊर्जा संकट और अधिक गंभीर रूप ले सकता है।

इस ऊर्जा संकट का कारण समुद्री मार्ग होर्मुज का बाधित होना और साथ ही ईरान की ओर से खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों समेत वहां के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाना भी है। बाधित होर्मुज विश्व के साथ-साथ अमेरिका के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यदि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप होर्मुज मार्ग खुलवाने के लिए अपने दावे के अनुसार ईरान पर भीषण हमले करते हैं तो भी यह कहना कठिन है कि वे अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल हो जाएंगे।

ऐसे आसार इसलिए नहीं दिखते, क्योंकि ईरान अनुमान से अधिक घातक सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। उसने अपनी मारक क्षमता से अमेरिका को चौंकाया ही है। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोलने के पहले उसकी सैन्य क्षमता का सही तरह आकलन नहीं किया। यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती। स्पष्ट है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को वेनेजुएला समझा और अपने अहंकार के चलते बिना कुछ ज्यादा सोचे-विचारे उस पर हमला बोल दिया।

ट्रंप कुछ भी दावा करें, ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन होता दिख रहा है और न ही यह कहा जा सकता है कि परमाणु हथियार निर्माण की उसकी क्षमता पूरी तौर पर नष्ट हो गई है। ट्रंप पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं, जिन्होंने मनमाने तरीके से किसी अन्य राष्ट्र में सैन्य हस्तक्षेप किया हो, लेकिन इतना अवश्य है कि वे कुछ ज्यादा ही मनमानी का परिचय दे रहे हैं। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति का आवश्यकता से अधिक अधिकारसंपन्न और एक तरह से निरंकुश होना है। अमेरिकी राष्ट्रपति की निरंकुशता लोकतंत्र में एक असंतुलनकारी व्यवस्था ही है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के विपरीत है। ट्रंप का रवैया शायद ही बदले, लेकिन अमेरिका के लिए इस पर विचार करना आवश्यक है कि अपार शक्तियों से लैस अमेरिकी राष्ट्रपति कैसे पूरी दुनिया के समक्ष संकट खड़ा कर देता है।

यह ठीक है कि लोकतंत्र होने के नाते आगामी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को राजनीतिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि उनकी लोकप्रियता तेजी से गिर रही है, लेकिन फिलहाल तो उनके मनमाने एजेंडे पर कोई रोक लगती नहीं दिख रही है।

भारत: अस्थिर दुनिया में आत्म निर्भरता जरूरी

> भारत इस अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष का हिस्सा नहीं है लेकिन उसका असर हमारे यहां साफ दिखाई दे रहा है। पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति में अस्थिरता, छोटे उद्योगों का ठप पड़ना, निर्यात पर असर-ये सब संकेत दे रहे हैं कि वैश्विक अस्थिरता का बोझ हम भी ढो रहे हैं।

दुनिया अब अलग-अलग बिखरे देशों का नक्शा मात्र नहीं रही है। यह एक ऐसा तंत्र बन गई है जिसमें कहीं भी हलचल होती है तो उसकी तरंगें दुनिया के हर कोने तक पहुंचती हैं। हाल में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच टकराव की स्थिति के बाद पैदा हुए तनाव ने इस सच्चाई को फिर से उजागर कर दिया है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध से भी यह सबक मिल चुका है कि जंग किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहती। उसके असर सीमाओं से परे जाते हैं। इस बात को हम लागू होते देख रहे हैं। दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि कई लोग इसकी तुलना एक गांव से भी करते हैं। मानना ही होगा कि यह एक ऐसा साझा घर बन चुकी है, जिसकी एक दीवार पर आग लगे तो दूसरी दीवार पर बैठे लोग भी उसकी आंच महसूस करते हैं। यही वजह है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उसकी छाया हमारे रसोईघर, बाजार और छोटे-छोटे काम-धंधों तक आ पहुंची है।भारत की नीति स्पष्ट रूप से शांति की है लेकिन वैश्विक व्यवस्था में उसकी भागीदारी इतनी गहरी है कि किसी भी तनाव के असर से बचना संभव नहीं है। शहरों में ठेले पर चाय बेचने वाला हो या मिठाई की दुकान चलाने वाला हलवाई, हर किसी के काम पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। गैस सिलेंडर की बुकिंग में देरी अब सिर्फ एक असुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की कमाई पर चोट बनती जा रही है। इसका बड़ा कारण मूलभूत जरूरतों के लिए हमारा अन्य देशों पर निर्भर होना है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हम अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए इतने अधिक बाहरी स्रोतों पर निर्भर हो चुके हैं कि कहीं भी हलचल हो और हमारी जमीन हिलने लगे?यह सच है कि हमारी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आज भी आयात किए गए तेल और गैस से पूरा होता है। खाड़ी क्षेत्र में तनातनी बढ़ते ही सप्लाई चेन पर दबाव पड़ता है और उसका सीधा असर हमारे घरों तक पहुंचता है। यह निर्भरता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि रणनीतिक कमजोरी भी है। लेकिन बात केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। भारत का औद्योगिक और कृषि ढांचा भी कई मायनों में वैश्विक आपूर्ति पर टिका हुआ है। खाद्य तेल से लेकर उर्वरकों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर रक्षा उपकरणों तक कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हैं। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब वैश्विक संकट लंबा खिंचने लगता है।तीन दशक पहले सद्दाम हुसैन को काबू करने के लिए मित्र देशों द्वारा इराक पर हमलों से डीजल-पेट्रोल के लिए हमारे देश में लगी लंबी कतारें हमें याद हैं। अब हम कमोबेश वैसी ही स्थिति की आशंका देख रहे हैं। बात केवल आयात की नहीं है, निर्यात भी इस संकट से प्रभावित हो रहा है। बीकानेर का भुजिया, महाराष्ट्र के केले, कपड़ा उद्योग और समुद्री उत्पाद आदि सबका अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना अब पहले जैसा सहज नहीं रहा। जलगांव से रोजाना दो से तीन हजार टन केला खाड़ी देशों व यूरोप को निर्यात होता है लेकिन इस युद्ध ने निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। केले से भरे सैकड़ों कंटेनर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। इसी प्रकार बीकानेर से भुजिया का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। समुद्री रास्तों में असुरक्षा और लागत बढ़ने से कई व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह केवल माल की आवाजाही का संकट नहीं है, बल्कि इन उद्योगों से जुड़े लाखों लोगों की रोजी-रोटी का भी सवाल है।

भारत की आत्मनिर्भरता की बहस में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र अक्सर नजरअंदाज हो जाता है जबकि यह आज की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए बेहद अहम है। भारत डिजिटल रूप से तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन इस डिजिटल ढांचे की बुनियाद अब भी काफी हद तक विदेशी तकनीक पर टिकी है। मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड सेवाएं, सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बाहरी कंपनियों के नियंत्रण में हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव या प्रतिबंधों की स्थिति में यह निर्भरता गंभीर जोखिम बन सकती है। इंटरनेट के क्षेत्र में भी हालात अलग नहीं हैं। सोशल मीडिया, सर्च इंजन और डेटा स्टोरेज जैसे प्लेटफॉर्म विदेशी स्वामित्व में हैं जिससे डेटा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता पर सवाल उठते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है।

इसके साथ ही, भारत में मौलिक आविष्कारों की कमी भी चिंता का विषय है। आईटी सेवाओं में मजबूती के बावजूद, शोध और पेटेंट के मामले में भारत अभी पीछे है। रिसर्च और डवलपमेंट पर कम निवेश इसकी वजह हैं। ऐसे में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता देना अनिवार्य हो गया है। यह परिदृश्य हमें बाध्य कर रहा है कि हम आत्मनिर्भरता के उस विचार की ओर लौटें जिसे हम अक्सर नारे के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं लेकिन उसे व्यवहार में पूरी तरह उतार नहीं पाए हैं।

आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं है, बल्कि इतना सक्षम बनना है कि वैश्विक उथल-पुथल का असर सीमित किया जा सके। मौजूदा समय में सवाल यह नहीं है कि भारत को वैश्विक व्यापार से दूरी बनानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारी अपनी नींव इतनी मजबूत है कि बाहरी झटकों को सह सके? समय की मांग है कि हमें ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक रास्तों की ओर तेजी से बढ़ना चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहे हैं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का आधार भी बन चुके हैं। इसी प्रकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करना, छोटे उद्योगों को तकनीक और वित्तीय सहायता देना और कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है क्योंकि ऐसे कदम ही भारत को भीतर से सशक्त बना सकते हैं।

प्रो. महेश चंद गुप्ता

भीम का पुत्र 'घटोत्कच' एक अर्ध-राक्षस

वह दूसरों की तरह "युद्ध" के मैदान में योद्धा नहीं था। उसने कर्ण को अपने मुख्य हथियार (शक्ति) का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जिसे कर्ण ने अर्जुन के लिए संरक्षित किया था। शक्ति को नष्ट करने और अर्जुन को बचाने के लिए कुरुक्षेत्र युद्ध में घटोत्कच की ही उपयोगिता थी। उसी तरह अभिमन्यु एक अर्ध-प्रशिक्षित योद्धा था। श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र युद्ध में नियम तोड़ने के लिए उनका इस्तेमाल किया था। आप वर्दी में सैनिक हैं या बिना वर्दी के, धर्मयुद्ध में सभी की भूमिका है। एक व्यक्ति घर के दरवाज़े पर बहुत महँगा पर्दा लगाकर रखते थे। अंदर सब खोखला था लेकिन परदा बहुत महँगा था। मोहल्ले के लोग समझते कि व्यक्ति बहुत धनी व्यक्ति हैं। एक पठान से क़र्ज़ लिया हुआ था। पठान अक्सर आता व पैसे वापिस माँगता। वे व्यक्ति दे न पाते। कई बार ऐसा होने के बाद एक दिन पठान बहुत चिल्लाया, और चिल्लाते हुए बोला कि पैसे लौटाते नहीं हो और पर्दा इतना महँगा टांगा हुआ है ?? मैं इसी को ले जाता हूँ ! और एक क्षण का भी समय दिए बिना परदा खींच लेता है। पूरा मोहल्ला इकट्ठा था। लोग देखते हैं कि आँगन में व्यक्ति के परिवार की महिलायें अत्यधिक फटे पुराने कपड़ों में एकत्र होकर पठान की गालियाँ सुन रही थीं। पठान को भी इतनी ग्लानि हुई कि पर्दा वहीं छोड़कर चला गया लेकिन उस व्यक्ति ने भी परदा वापिस टांगा नहीं क्यूँकि कुछ छुपाने को बचा ही नहीं था अब। पोषित मीडिया द्वारा पाकिस्तान के न्यूक्लियर अटैक का डर हमें इसीलिए दिखाया जाता रहा ताकि हम कभी आतंक के विरुद्ध कोई कार्रवाई न कर सकें क्योंकि कार्रवाई करने से भारत में वोट बैंक वाले लोग नाराज़ होकर फिर वोट नहीं देते।

शिवानन्द मिश्रा

तीसरी नैतिक समस्या है ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

क्या डिजिटल राजनैतिक प्रचार की कोई नैतिक सीमा है?

राजनीतिक प्रचार उतना ही पुराना है जितनी कि राजनीति स्वयं। प्राचीन रोम में दीवारों पर संदेश लिखे जाते थे। मध्यकाल में राजा अपनी शक्ति का प्रदर्शन भव्य स्मारकों और अनुष्ठानों के माध्यम से करते थे। बीसवीं सदी में रेडियो, टेलीविज़न और समाचार पत्र राजनीतिक प्रचार के मुख्य माध्यम बने। लेकिन इन सभी युगों में एक बात साझी थी — प्रचार की एक सार्वजनिक दृश्यता और उसके साथ एक निहित जवाबदेही। आज, डिजिटल राजनीतिक प्रचार ने इस जवाबदेही की अवधारणा को ही उलट दिया है। जब प्रचार अदृश्य हो, व्यक्तिगत हो, तात्कालिक हो, और किसी भी तथ्यात्मक जाँच से मुक्त हो — तो प्रश्न उठता है कि क्या इसकी कोई नैतिक सीमा है? और यदि है, तो उसे कौन तय करेगा और कौन लागू करेगा?

नैतिकता के प्रश्न पर विचार करने से पहले यह स्वीकार करना आवश्यक है कि राजनीतिक प्रचार और राजनीतिक संवाद के बीच की रेखा स्पष्ट नहीं है। हर राजनेता अपने विचारों को श्रेष्ठ और विरोधी के विचारों को निकृष्ट प्रस्तुत करता है — यह राजनीति का स्वाभाविक अंग है। नैतिक समस्या तब शुरू होती है जब प्रचार झूठ पर आधारित हो, जब वह लोगों को हेरफेर करे

बजाय सूचित करने के, और जब वह समाज में नफरत, विभाजन, या हिंसा को बढ़ावा दे।

डिजिटल राजनीतिक प्रचार की नैतिक समस्याओं की पहली श्रेणी है — असत्य और भ्रामक जानकारी का जानबूझकर प्रसार। जब कोई राजनीतिक दल या उसका समर्थक यह जानते हुए कि कोई बात असत्य है, उसे सोशल मीडिया पर फैलाता है ताकि मतदाताओं की राय को प्रभावित किया जा सके — यह नैतिक दृष्टि से स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है। एमआईटी के 2018 के अध्ययन ने प्रमाणित किया कि असत्य सूचनाएँ ट्विटर पर 70 प्रतिशत अधिक रीट्वीट होती हैं। यह लोकतंत्र की उस बुनियाद पर सीधा हमला है जिसके अनुसार नागरिक सही जानकारी के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें।

दूसरी नैतिक समस्या है व्यक्तिगत डेटा का बिना सहमति के राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग। 'कैम्ब्रिज एनालिटिका' प्रकरण इसका सबसे चर्चित उदाहरण है। इस कंपनी ने करीब 87 मिलियन फेसबुक उपयोगकर्ताओं के डेटा का उपयोग करके लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल बनाए और उनकी कमज़ोरियों को लक्षित करने वाले राजनीतिक विज्ञापन दिखाए। यह केवल गोपनीयता का उल्लंघन नहीं था — यह मानवीय स्वायत्तता और स्वतंत्र इच्छा पर हमला था। जब एक प्रणाली यह तय करने लगती है कि आपके मन में कौन सा डर है और फिर उसी डर को और गहरा करने वाला राजनीतिक संदेश आप तक पहुँचाती है, तो आपकी 'स्वतंत्र पसंद' वास्तव में कितनी स्वतंत्र है?

तीसरी नैतिक समस्या है सांप्रदायिक या जातीय विद्वेष को भड़काने के लिए डिजिटल प्रचार का उपयोग। म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों के विरुद्ध 2017 में हुई हिंसा में फेसबुक की भूमिका को संयुक्त राष्ट्र की तथ्य-अन्वेषण टीम ने अपनी 2018 की रिपोर्ट में 'निर्णायक' बताया। 700,000 से अधिक रोहिंग्या को बांग्लादेश भागना पड़ा। 2022 में एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक विस्तृत रिपोर्ट ने भी पुष्टि की कि मेटा के एल्गोरिदम ने रोहिंग्या-विरोधी नफरत भरी सामग्री को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। यह एक चरम उदाहरण है, लेकिन यह दर्शाता है कि डिजिटल राजनीतिक प्रचार में 'नफरत' एक हथियार बन सकती है जिसके परिणाम जीवन और मृत्यु की रेखा तक पहुँच सकते हैं। नैतिक सीमाओं के प्रश्न पर तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं। पहला 'बाज़ार-आधारित' दृष्टिकोण यह मानता है कि सूचना के मुक्त बाज़ार में अच्छे विचार बुरे विचारों को हरा देंगे।

सत्ता और...

सौरभ वार्ष्णेय

अशोक खरात जैसे 'ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत 'ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी, यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में जब तक समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है। कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है। समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी

व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ 'कैप्टन बाबा' के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अ निश्चि त त ाओं— र ाज न ीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता—को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते बल्कि वे एक ₹पावर हब₹ बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं जहां संपर्क बनाना आसान होता है। तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है।

जरा हटके

संक्षिप्त शब्दों में कहें...

कमलेश पांडेय

जनविश्वास विधेयक क्या है? इससे किसको फायदा मिलेगा?

₹जनविश्वास विधेयक₹ देश का एक बड़ा विधेयक सुधार है जिसका मुख्य उद्देश्य "छोटे मोटे" अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर जीवन यापन और कारोबार को आसान बनाना है। इस विधेयक के तहत कई केंद्रीय कानूनों के सैकड़ों प्रावधानों में संशोधन करके जेल और गंभीर सजाओं की जगह जुर्माना या चेतावनी जैसे हल्के दंडों को प्राथमिकता दी जाती है।

जनविश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 लगभग 79 केंद्रीय कानूनों के 780 से ज़्यादा प्रावधानों में संशोधन करता है और हज़ारों छोटे मोटे उल्लंघनों को "अपराध" की श्रेणी से बाहर निकाल देता है या उन्हें जुर्माना/चेतावनी तक सीमित कर देता है। इसका ढांचा "विश्वास आधारित शासन" पर आधारित है, यानी मामूली तकनीकी गलतियों या बिना इरादे के हुई चूकों पर जेल जैसी कठोर सजा के बजाय नियमों का पालन करवाना और अनुपालन को बढ़ावा देना लक्ष्य है।

सवाल है कि इससे किसको फायदा मिलेगा? तो जवाब होगा कि चार समूहों को, उनके कार्य व्यवहार के आधार पर, जो इस प्रकार हैं- पहला, आम नागरिक और छोटे उपभोक्ता को क्योंकि पुराने कानूनों में छोटी गलतियों (जैसे लाइसेंस समय से ज़्यादा देरी से नवीनीकरण, तकनीकी दस्तावेज़ की कमी आदि) पर भी आपराधिक मुक़द्दमा और जेल का प्रावधान था; अब ऐसे मामलों में अधिकतर जुर्माना या चेतावनी ही रहेगी। इससे नागरिकों के रोज़मर्रा के जीवन में कम डर और कम आपराधिक शिकंजा रहेगा, खासकर "रोज़ खर्चे वाले" छोटे उल्लंघनों पर। 700 से अधिक प्रावधान "व्यापार सुगमता (ease of doing business)" के लिए अपराधमुक्त किए जा

रहे हैं; यानी लाइसेंस, फॉर्मेटिविटी, रिटर्न जमा करने की छोटी मोटी देरी या तकनीकी गड़बड़ी पर जेल जैसी सजा कम होगी। दरअसल, उद्योग संगठनों (CII आदि) का मानना है कि अनुपालन का बोझ कम होगा, विवादों का निपटारा तेज़ होगा और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा। तीसरा, निवेशक और बड़ी कंपनियाँ, क्योंकि अपराधमुक्त किए जा रहे उपबंधों की संख्या बहुत ज़्यादा होने से नियामक जोखिम (regulatory risk) और अचानक आपराधिक मुक़द्दमों की आशंका कम होगी जो निवेश अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करती है। FDI और कॉर्पोरेट भरोसा बढ़ाने के लिए "predictable" और कम दंडात्मक नियमन मॉडल बनता है जबकि गंभीर धोखाधड़ी या पर्यावरण/जन स्वास्थ्य जैसे गंभीर अपराधों के लिए सख़्त सजाएं अभी भी बरकरार रहती हैं। चौथा, न्यायपालिका और प्रशासन को, क्योंकि छोटे मोटे आपराधिक मुक़द्दमों की संख्या कम होने से अदालतों पर दबाव घटेगा और गंभीर मामलों पर ज़्यादा ज़ोर लगाने को समय व संसाधन मिलेंगे। वहीं, ब्यूरोक्रेसी को भी अधिक नियम आधारित, दंड आधारित की तुलना में अनुपालन आधारित दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिलती है।

संक्षिप्त शब्दों में कहें तो जनविश्वास विधेयक से सबसे ज़्यादा फायदा आम नागरिक, छोटे व्यापारी, MSME, स्टार्ट अप और निवेशकों को मिलता है, क्योंकि यह उनके लिए नियामक डर कम करता है और अनुपालन को आसान बनाता है, जबकि न्यायपालिका और अंतरिक्ष सुरक्षा जैसे गंभीर क्षेत्रों के लिए अभी भी सख़्त दंड व्यवस्था बरकरार रखी जाती है।

भवसागर पार लगाने को सामायिक जहाज है

सामायिक पॉजिटिव एटीटयुड़ की अद्भुत साधना हैं। सक्सेसफूल लाइफ का उन्मेष सामायिक हैं । सामायिक हमारी कॉन्फ़िडेंस पावर को बढ़ाता हैं । सामायिक से 92 करोड़ 59 लाख 25 हजार 925 पल्योंपम के अशुभ कर्म दूर होते हैं । वह सामायिक से विश्व की समस्याओं का समाधान संभव हैं । 48 मिनट की समायिक से 84 लाख के अशुभ कर्म कर्म दूर होते हैं । समया धम्म मुदाहरे मुणी । भगवान ने समता को धर्म कहा है । सामायिक समता के विकास की साधना है । यह संवर की साधना है । सामायिक में साधक एक मुहूर्त 48 मिनट के लिए सावद्य योग का त्याग करता है । 18 पाप का सेवन सावद्य योग हैं । राग द्वेष से वशीभूत चित्त बार बार विषमता में चला जाता है क्योंकि चित्त बहुधा भौतिकता की सन्निधि से भावित रहता है । सामायिक आत्मा की सन्निधि में रहने का आयास है । आत्मा की सन्निधि का अर्थ है धर्म की सन्निधि, स्वभाव की सन्निधि । आत्मा की सन्निधि से कलुषता मिटती है एवं चित्त निर्मल होता है । सामायिक का उद्देश्य है चित्त की निर्मलता । हम पूर्णिया श्रावक जैसी कुछ समतामय सामायिक करें । हर गृहस्थ चारित्र धर्म की साधना नहीं कर सकता हैं । वह बिरले ही होते हैं जो यह रास्ता पकड़ते हैं । सामायिक उसका विकल्प है यद्यपि समयावधि एक सामायिक की अति अल्प है। वह सामायिक में एक मुहूर्त आत्मलीन होने का विधान है । वह नियमानुसार साधु की तरह ही चर्या और परिधान है । भीतर की सुखद अनुभूति सामायिक है।विचारों की भीड़ से हट कर अन्तर-एकान्त में प्रवेश सामायिक है । विभाव से समभाव में आना सामायिक है । एक मुहूर्त के लिए गृहस्थ भाव से साधुता की ओर प्रस्थान सामायिक है । लाभ-अलाभ,सुख-दुःख, निन्दा-प्रशंसा आदि के प्रकम्पनों से सम्बन्ध विच्छेद सामायिक है । क्रोध, मान-माया, लोभ-लालच के कषायों आदि को अलविदा करने की साधना सामायिक है । वह समता में रमण करना सामायिक है । वह हमारे स्वभाव में अभ्यास बन जाए तो हम अहर्निश सामायिक भाव में रह सकते हैं। हम सांसारिक क्रियाएं करते हुए भी सम भाव में रह सकते हैं । वह आनन्द-सरित प्रवाह में बह सकते हैं । सामायिक में जितनी भाव शुद्धि होगी उतनी ही हमारी परिणामों की उपलब्धि होगी । आओ हम सामायिक करें,जीवन में अच्छी शुरुआत करें ।

> प्रदीप छाजेड़

लखीमपुर में रूमाल से जख्म दबाकर कराहता रहा, बाइक पर अस्पताल ले गई पुलिस

दिनदहाड़े वकील के सीने में गोली मारी

वारदात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखीमपुर-खीरी । लखीमपुर खीरी के सिविल कोर्ट परिसर में एक वकील ने दूसरे वकील के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही वह तख्त पर गिर पड़ा और परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल वकील रूमाल से जख्म दबाकर कराहता रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक-गोली चलाने से पहले दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई थी। हालांकि, साथी वकीलों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया था, लेकिन कुछ ही देर बाद आरोपी ने गोली चला दी।

गंभीर हालत में वकील को एक पुलिसकर्मी ने बाइक पर बैठाकर इलाज के लिए 8 किलोमीटर दूर अस्पताल ले गए। आरोपी की पहचान विराट राज के रूप में हुई है, जबकि घायल वकील का नाम जितेंद्र राज है।

दोनों सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और रिश्ते में चचेरे भाई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वकील मौके से फरार हो गया। फिलहाल, घटना की वजह जमीन का विवाद बताया जा रहा है। घटना सोमवार को करीब साढ़े 12 बजे की है।

वकील विराट राज और जितेंद्र राज, सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विराट और जितेंद्र के बीच सोमवार करीब 12 बजे किसी बात को लेकर बहस होने लगी। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों हाथापाई करने लगे।

जख्मी वकील रूमाल से गोली के घाव को दबाता रहा। उसके साथी वकील उसे संभालते नजर आए।

कचहरी परिसर में गोली मारने की वारदात की सूचना मिलते ही डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल -एसपी डॉ.ख्याति गर्ग मौके पर पहुंचे।

अन्य वकीलों ने बीच बचाव किया

दो वकीलों को हाथापाई करता देख अन्य वकीलों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग-अलग किया। इसके बाद मामला शांत हो गया। फिर सभी लोग अपने-अपने काम में लग गए। लेकिन कुछ ही देर में विराट राज वापस लौटा।

वह जितेंद्र के पास पहुंचा और तमंचा निकालकर फायर कर दिया। गोली जितेंद्र के सीने में लगी। उधर, फायरिंग की आवाज सुनकर कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची। वकीलों ने पुलिसवालों की मदद से बाइक से ही घायल जितेंद्र को जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टर्स उनका इलाज कर रहे हैं।

घटना की सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी डॉ.ख्याति गर्ग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों वकीलों के बीच खेत की मेड़ को लेकर पुराना विवाद था, जो वारदात का कारण बना। आरोपी की तलाश की जा रही है।

सड़क किनारे अज्ञात युवती का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सौंख चौकी क्षेत्र के अंतर्गत मगोर्रा मार्ग पर स्थित लालपुर के समीप सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब राहगीरों ने सड़क किनारे एक अज्ञात युवती का शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही क्षेत्र में तेजी से खबर फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं, हालांकि समाचार लिखे जाने तक युवती की पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के क्षेत्रों में भी युवती की पहचान के लिए सूचना प्रसारित की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारणों का पता चल सकेगा।

घटना के बाद क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

लड़की से छेड़छाड़, कपड़े फाड़े

गोरखपुर । गोरखपुर में एक लड़की से छेड़छाड़ की गई और उसके कपड़े फाड़े गए। जब उसकी मां ने शिकायत की, तो आरोपी बाप-बेटे ने मिलकर महिला और बेटी पर हमला किया और उन्हें पीटा। महिला ने कोतवाली थाने में तहरीर दी।इसके आधार पर मिया बाजार उत्तरी फाटक निवासी निखिल जायसवाल और उनके पिता अखिलेश जायसवाल के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

आगरा में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

आगरा। आगरा के थाना किरावली अंतर्गत मोरी गांव में एक विवाहिता रेखा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पिता मांगेलाल ने ससुराल वालों पर दहेज की अतिरिक्त मांग पूरी न होने पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

रेखा का विवाह वर्ष 2019 में नरेंद्र उर्फ सोनू से हुआ था। शादी के बाद से ही रेखा को प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके कारण मामला परिवार परामर्श केंद्र तक पहुंचा था। परिवार परामर्श केंद्र में 27 नवंबर 2025 को दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था।

रंगबाज नेता के खिलाफ चार्जशीट

गोरखपुर । मोहद्दीपुर-कौवा-बाग ओवरब्रिज पर 4 मार्च की रात फॉर्च्यूनर से कुचलकर एमबीबीएस छात्र और डॉक्टर के भाई की मौत हो गई थी। इस दौरान एमबीबीएस छात्र की लाश काफी देर तक पुल पर लटकी हुई थी। इस मामले के आरोपी गोल्डेन सहानी के खिलाफ शाहपुर पुलिस ने हत्या और गैर इरादतन हत्या में चार्जशीट दाखिल कर दी है। घटना के बाद से एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) रिपोर्ट का पुलिस इंतजार कर रही थी।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। विकास खंड राया के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नगौड़ा से स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर संचारी रोग रैली भी निकाली गई जिसके माध्यम से लोगों को संचारी रोगों से बचाव की जानकारी दी गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराने के लिए प्रेरित किया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अर्चना वर्मा ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पाठ्यपुस्तकें, ड्रेस, मध्याह्न भोजन सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही उनके सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों का नामांकन नजदीकी प्राथमिक विद्यालय में अवश्य कराएं। रैली के दौरान गांव में भ्रमण कर बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए भी प्रेरित किया गया। जिसमें विद्यालय का समस्त स्टाफ, आंगनबाड़ी, आशा, एएनएम और अभिभावक शामिल हुए ।

झांसी में पिता-दादी हुए अरेस्ट, युवती की बाथरूम के हैंगर में लटकती मिली थी लाश

मां की मौत के बाद जेल में एक-महीने की बच्ची

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में एक महीने की मासूम बिना किसी जुर्म के जेल में है। दरअसल, मां की मौत के बाद बच्ची के पिता और दादी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बच्ची की देखभाल करने वाला कोई नहीं होने के कारण उसे भी उनके साथ जेल में रहना पड़ रहा है।

मामला प्रेम नगर के हंसारी स्थित सारंद्रा नगर का है। दरअसल, मोनिका (24) की शादी 10 महीने पहले हुई थी और उसने एक महीने पहले ही बेटी को जन्म दिया था। शनिवार को मोनिका की लाश बाथरूम में हैंगर से लटकी हुई मिली। मायके वालों ने इसे दहेज हत्या का मामला बताते हुए केस दर्ज कराया है। एफआईआर के बाद पुलिस ने 5 अप्रैल को पति संदीप सविता और सास गायत्री देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मोनिका के भाई अमन का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल वाले बहन मोनिका को प्रताड़ित करने लगे। बुलेट मोटरसाइकिल की डिमांड की जाने लगी, जबकि हम लोग बाइक को पैसा पहले ही दे चुके थे। समझाने पर भी नहीं माने और बहन से मारपीट करने लगे। एक बार उसे मारपीट कर घर से भी निकाल दिया था। हम लोगों ने ससुराल वालों को समझाया, लेकिन वे नहीं माने। करीब एक महीने पहले बहन ने ऑपरेशन से एक बेटी को जन्म दिया। हम लोगों को पच (बच्चे के जन्म से मायके से आने वाला सामान) लेकर जाना था।

मोनिका और संदीप सेन की शादी जून 2025 को हुई थी। अब मोनिका की मौत हो गई।

सास ने दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर हैंगर से लटकी हुई थी

शनिवार को सास गायत्री सब्जी बना रही थी। मोनिका नहाने के लिए बाथरूम गई थी। वह काफी देर तक बाथरूम से बाहर नहीं आई तो बच्ची रोने लगी। गायत्री ने पोती को गोद में लिया और बहू को बुलाने बाथरूम में गई। आवाज दी तो बहू ने जबाव नहीं दिया। तब गेट के नीचे से देखा तो वह बाथरूम के अंदर हैंगर पर दुपट्टे से फांसी पर लटकी थी। गायत्री ने गेट तोड़ा और बहू को प्राइवेट अस्पताल ले गई। वहां से मेडिकल कॉलेज लेकर गए। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जेल अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि अगर किसी अपराध में मां या पिता या फिर अन्य परिजन को जेल जाना पड़ता है और उनके बच्चे की उम्र 6 साल से कम है तो वे बच्चे को अपने साथ जेल में रख सकते हैं। 6 साल बाद कमेटी गठित होती है। कमेटी निर्णय लेती है कि 6 साल से अधिक उम्र के बच्चे को कहां रखा जाएगा।

9 जून 2025 को हुई थी शादी

जालौन के कोंच निवासी मोनिका (24) की शादी 9 जून 2025 को सारंद्रा नगर के संदीप सविता से हुई थी। शादी में 4.5 लाख रुपए नकद और सामान दिया था। शादी में करीब 10 लाख रुपए खर्च हुए थे। पति संदीप बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते हैं। एक महीने पहले मोनिका ने एक बेटी को जन्म दिया था।

हरियाणा में घर पहुंचे, मां ने बहू को मिठाई खिलाकर आरती उतारी

महाकुंभ वाले आईआईटियन बाबा ने इंजीनियर से की शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

झज्जर। प्रयागराज महाकुंभ-2025 से चर्चा में आए IITian बाबा अभय सिंह ने शादी कर ली है। पत्नी का नाम प्रतीका है। यह खुलासा खुद IITian बाबा ने सोमवार को किया। लंबे समय बाद वह भगवा कपड़े पहने हरियाणा के झज्जर पहुंचे। पत्नी प्रतीका भी उनके साथ थीं।

यहां सबसे पहले वह बैंक गए और वहां KYC कराई। इसके बाद वकील पिता से मिलने उनके चैंबर पहुंचे। वहां पिता के नहीं मिलने पर अभय सिंह पत्नी के साथ अपने घर पहुंचे। यहां उनकी मां शीला देवी ने बेटे-बहू का स्वागत किया। उन्होंने दोनों के माथे पर तिलक लगाया, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। इसके बाद बहू का गृह प्रवेश कराया।

अभय सिंह ने बताया कि उन्होंने प्रतीका से 15 फरवरी (शिवरात्रि) को हिमाचल के अघंजर मंदिर में शादी की थी। फिर 19 फरवरी को कोर्ट मैरिज भी की। हम दोनों अपनी जिंदगी से खुश हैं। फिलहाल सादगी से रह रहे हैं। IITian बाबा के पिता कर्ण सिंह ने बताया- मुझे आज ही पता चला कि बेटे ने शादी कर ली है। मुझे बहुत खुशी हुई। अभय सिंह (36) मूलरूप से झज्जर के सासरौली गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता अब झज्जर शहर के सुभाष नगर में रहते हैं। बॉम्बे IIT से एयरो स्पेस इंजीनियरिंग करने वाले अभय सिंह प्रयागराज महाकुंभ में संन्यासी वेश में नजर आने के बाद देश-विदेश में चर्चा में आए थे।

अभय ने कहा- अध्यात्म की तरफ रुझान होने से पहले कभी मैं भी इस चैंबर में बैठकर पिता की एप्लिकेशन चेक कर लेता था। मेरी पत्नी मूलरूप से कर्नाटक की रहने वाली हैं। वह भी इंजीनियर हैं। हम हिमाचल के धर्मशाला में रह रहे हैं।

पिता के चैंबर में केस स्टडी करने आता था

अभय सिंह ने कहा- आज पिताजी के चैंबर में आकर अच्छा लगा। मैं पहले भी यहां आकर एप्लिकेशन चेक करता था। मुझे अध्यात्मिकता का सच समझ में आ गया था, लेकिन ये नहीं पता था कि आगे क्या करना है? जब घर पर अकेला होता था तो सोचता था कि चैंबर जाकर कुछ कर लेता हूं। यहां आकर मैं स्टडी करता रहता था कि कौन-सा केस कैसे लगता है?

किडनी कांड के बाद बड़ी कार्रवाई, 3 हॉस्पिटल सीज

कानपुर। कानपुर में किडनी कांड के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कल्याणपुर क्षेत्र में अवैध अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को एसीएमओ रमित रस्तोगी के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ कई अस्पतालों में छापेमारी की गई। इस दौरान तीन अस्पतालों को सीज किया गया, जबकि अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

छापेमारी के दौरान एक मकान में संचालित अस्पताल में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। जांच में ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के अंदर बिस्तर रखा मिला और साथ ही मेडिकल स्टोर भी संचालित पाया गया। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए पहले ओटी सीज करने के आदेश दिए गए, लेकिन मौके पर विवाद के बाद पूरे अस्पताल को ही सीज कर दिया गया। टीम ने सबसे पहले गोल्ड हॉस्पिटल में छापा मारा, जहां पंजीकरण न होने पर उसे सीज कर दिया गया। इसके बाद एमजे हॉस्पिटल में ड्यूटी डॉक्टर न मिलने पर नोटिस जारी किया गया।

सड़क हादसे में छात्र घायल अज्ञात वाहन चालक फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

पयागपुर (बहराइच) । सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में साइकिल से स्कूल जा रहा छात्र अंश तिवारी घायल हो गया। जानकारी के अनुसार पयागपुर बस स्टॉप निवासी अंश तिवारी रोज़ की तरह अपनी साइकिल से हनुमान मंदिर के पास स्थित रॉयल किड्स पब्लिक स्कूल जा रहा था। जैसे ही वह अरनाब हॉस्पिटल के पास पहुंचा, तभी गोंडा की तरफ से बहराइच की ओर जा रही एक तेज रफ्तार काले रंग की अज्ञात गाड़ी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अंश सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। पयागपुर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निर्देश पर दरोगा रमेश चंद्र और उनकी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल छात्र को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टर धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने उसका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर ने बताया कि छात्र की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है, लेकिन बेहतर इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया गया है।

परिजनों ने बताया कि अंश प्रतिदिन इसी मार्ग से स्कूल जाता है और आज भी वह सामान्य रूप से घर से निकला था। अचानक हुए इस हादसे से परिवार में चिंता का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

तेज बारिश और ओलों से टीन शेड क्षतिग्रस्त

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने ग्रामीण क्षेत्रों में भारी तबाही मचा दी है। ग्राम पंचायत पटलौनी के नगला मंशा में प्रहलाद चौधरी के करीब 8 टीन शेड क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, पूरे ग्राम पंचायत पटलौनी में खेतों में पड़ी और कटी हुई फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है और गांव में हाहाकार मचा हुआ है। स्थानीय किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि और बारिश के कारण गेहूं समेत अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसल खेतों में ही नष्ट हो गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नुकसान का सर्वे कराकर जल्द से जल्द मुआवजा दिलाया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को राहत मिल सके।

आगरा कलेक्ट्रेट में युवक ने कपड़े उतारे, न्यूड होकर हंगामा

आगरा। आगरा में कलेक्ट्रेट स्थित डीसीपी सिटी कार्यालय के बाहर सोमवार दोपहर एक युवक ने निर्वस्त्र होकर हंगामा किया। युवक का आरोप था कि पुलिस उसके मामले की सुनवाई नहीं कर रही है। जानकारी के अनुसार, वह लंबे समय से पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहा था।

सोमवार को शाहगंज निवासी युवक डीसीपी कार्यालय पहुंचा और आरोप लगाया कि पुलिस ने उसके मामले में गलत रिपोर्ट दर्ज की है। युवक ने बताया कि रिपोर्ट किसी किरन के नाम से दर्ज है, जबकि वह खुद लड़का है। इस दौरान उसने अपने कपड़े उतार दिए और कार्यालय के बाहर निर्वस्त्र होकर खड़ा हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे कपड़े पहनने और शांत होने के लिए समझाया, लेकिन युवक हंगामा करता रहा। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि युवक पहले भी ऐसे कदम उठा चुका है और उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

खुलासा : नहर किनारे चीख सुन दौड़े ग्रामीण, परिवार बोला- आरोपी पिता मानसिक बीमार

75 हजार में कपड़े-झूला खरीदा बेटी की बलि देने की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पिता ने अपनी 8 साल की बेटी को तंत्र-मंत्र के नाम पर बलि देने की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचाई। परिजनों से बात की तो सामने आया- आरोपी पिता मानसिक बीमारी से जूझ रहा है और उसका इलाज भी चल रहा है।

टीम जब कानपुर शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर बिधनू कस्बे पहुंची, तो घटनास्थल पर नहर किनारे सन्नाटा पसरा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को सौरभ नाम का व्यक्ति अपनी बेटी को नए कपड़े पहनाकर यहां लाया था। उसने पहले पूजा-पाठ किया और फिर बच्ची को नहर पटरी पर लिटाकर तंत्र-मंत्र करने लगा। इसी दौरान बच्ची जोर-जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर दूसरी ओर से गुजर रहे लोग नहर में कूदकर पहुंचे और बच्ची को बचा लिया।

परिजनों और पुलिस की पूछताछ में सौरभ ने बेटी की बलि देने की कोशिश से इनकार किया। उसने कहा कि वह अपनी बेटी को क्यों मारेगा और यह सब 'किन्नर पिता की आत्मा का साया' है। परिवार ने भी बताया कि उनके पिता महिलाओं के वेश में फूल बेचते थे और उनकी मौत के बाद से सौरभ का व्यवहार भी वैसा ही हो गया है।

बिधनू इंस्पेक्टर तेज बहादुर सिंह ने बताया- सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी।

तंत्र-मंत्र में डूब गया था, पत्नी 7 साल पहले छोड़ गई

भाई राहुल सैनी ने बताया कि सौरभ की मानसिक हालत लंबे समय से ठीक नहीं है। वह अक्सर महिलाओं जैसे कपड़े पहनता और तंत्र-मंत्र में लिप्त रहता है। उसकी इस हरकतों से परेशान होकर पत्नी करीब 7 साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद से वह बेटी और परिवार के साथ रह रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उसकी हालत और बिगड़ती चली गई।

75 हजार रुपए से खरीदे कपड़े और श्रृंगार के सामान

घटना के बाद जब टीम ने परिवार से बात की, तो भाई राहुल सैनी ने बताया कि सौरभ पिछले कई महीनों से मानसिक रूप से बीमार है। घर में रखे करीब 75 हजार रुपए उसे मिल गए थे, जिससे उसने अपने और बेटी के लिए कई कपड़े, साड़ी और श्रृंगार का सामान खरीदा। घटना वाले दिन भी वह खुद साड़ी पहनकर और बेटी को सजाकर नहर किनारे ले गया था।

हैंडग्रेनेड को परफ्यूम बोतल बताई ■ बिजनौर में संदिग्ध आतंकी को दी थी क्लीनचिट

एके-47 को खिलौना बताने वाला इंस्पेक्टर हुआ सस्पेंड

निर्लंबित

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। दुबई में रहने वाले यूपी के संदिग्ध आतंकी आकिब खान के AK-47 को खिलौना बताने के मामले में बिजनौर के इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह मलिक को सस्पेंड कर दिया गया है। सीओ नितेश प्रताप सिंह को भी हटाकर पुलिस लाइन अटैच कर दिया गया है।

दरअसल, बिजनौर के मैजुल का छह महीने पहले एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह मेरठ के आकिब के साथ नजर आया था। मामले की जांच बिजनौर के तत्कालीन थानाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह मलिक को सौंपी गई थी। जांच के दौरान उन्होंने आकिब और मैजुल से बातचीत की।

आकिब ने AK-47 को खिलौना और हैंड ग्रेनेड को परफ्यूम की बोतल बताया। उन्होंने उसकी बातों पर भरोसा कर लिया और मामले में फाइनल रिपोर्ट सीओ के पास जमा कर दी। इसमें आकिब और मैजुल को क्लीनचिट दी गई थी। सीओ ने भी मामले की जांच-पड़ताल नहीं की। 2 अप्रैल को लखनऊ से यूपी एटीएस ने चार आतंकियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मेरठ के आतंकी साकिब ने बताया कि उसका संबंध दुबई में रहने वाले आकिब से है। इसके बाद लापरवाही सामने आने पर एसपी अभिषेक झा ने रविवार को दोनों अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की।

दो दिन पहले दुबई में बैठे आकिब ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर वीडियो जारी कर सफाई दी। उसने कहा कि उसका किसी आतंकी संगठन से कोई संबंध नहीं है और उसे झूठा फंसाया जा रहा है। आकिब पिछले तीन साल से दुबई में रहकर कार चलाने का काम कर रहा है।

■ नजीबाबाद के सस्पेंडेड थानाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह मलिक (बाएं) और लाइन में अटैच किए गए सीओ नितेश प्रताप सिंह।(दाएं)

गिरफ्तार आतंकी साबिक ने खोला राज

2 अप्रैल को यूपी एटीएस ने आतंकी साकिब उर्फ डेविल, विकास गहलावत उर्फ रौनक, लोकेश उर्फ बाबू उर्फ पपला पंडित और अरबाब को गिरफ्तार किया। इनके पास से केमिकल से भरा कैन, 7 मोबाइल फोन, 24 पंपलेट और आधार कार्ड बरामद हुए। पूछताछ में सामने आया कि साकिब इस गिरोह का सरगना है। उसने बताया कि आकिब ने ही उसका संपर्क पाकिस्तानी हैंडलर अबू बकर से कराया था।

एक के बाद एक कई शहरों को दहलाने की थी साजिश

एटीएस ने लखनऊ से पकड़े गए चारों आरोपियों को रिमांड पर लिया है। पूछताछ में सामने आया कि लखनऊ के बाद कई शहरों में धमाके करने की साजिश थी। वारदात के बाद प्रदेश से बाहर निकलने के निर्देश पाकिस्तानी हैंडलर्स ने दिए थे। संदिग्ध आतंकियों के मोबाइल फोन से कई ऑडियो क्लिप भी मिली हैं।

ये ऑडियो रिकॉर्डिंग पाकिस्तानी हैंडलर्स ने साकिब को भेजी थीं, जिनमें विस्फोट से पहले की पूरी मूवमेंट की जानकारी थी। इतना ही नहीं, विस्फोट के बाद बने हालात के वीडियो भी भेजने के निर्देश दिए गए थे। सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स न सिर्फ कॉल पर बात करते थे, बल्कि ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजकर रेकी, टारगेट और हमले के तरीके समझाते थे।

तालाब बघेल विवाद गरमाया डीएम के आदेश पर टीम पहुंची मौके पर

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । पयागपुर तहसील क्षेत्र में तालाब बघेल को लेकर विवाद तेज हो गया है। भगत पुरवा निवासी प्रमोद कुमार सिंह ने जिलाधिकारी अक्षय कुमार त्रिपाठी से मिलकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने तालाब से जुड़े निर्माण कार्यों के कारण फसलों और ग्रामीणों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और उपजिलाधिकारी पयागपुर की तीन सदस्यीय टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण के आदेश दिए। टीम ने मौके पर पहुंचकर राजस्व, पुलिस और मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान शिकायत में दर्ज गाटा संख्या 717 और 722 की लेखपाल द्वारा नापी भी कराई गई। प्रमोद कुमार सिंह का आरोप है कि मत्स्य विभाग ने 439 हेक्टेयर भूमि पीवीआर कंपनी को एग्रीमेंट पर दी है, जिसके तहत बनाए गए बांध से तालाब का पानी गांव की ओर फैल रहा है। इससे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर राहुल चौधरी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनके द्वारा ऐसा कोई बांध नहीं बनाया गया है, जिससे क्षेत्र में नुकसान हो।

फास्ट न्यूज

प्रयागराज में डॉक्टर की वॉशरूम में मौत

प्रयागराज । प्रयागराज में एक डॉक्टर की रविवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। डॉक्टर आदित्य मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में रेजीडेंट थे। वह महिला डॉक्टर दोस्त से मिलने उनके फ्लैट पर गए थे। वहां वॉशरूम में बेहोश पड़े मिले। महिला डॉक्टर ने दोस्तों की मदद से उन्हें बाहर निकाला।

आदित्य के हाथ में वीगो लगा हुआ था।

50 हजार घरों में नहीं मिलेगा पानी

आगरा । लॉयर्स कॉलोनी और लोहामंडी क्षेत्र में सोमवार को पानी की आपूर्ति नहीं होगी। जलकल विभाग ने लॉयर्स कॉलोनी में भूमिगत जलाशय (सीडब्ल्यूआर) और लोहामंडी स्थित ओवरहेड टैंक की सफाई के लिए पेयजल आपूर्ति बंदी के आदेश दिए हैं। जलकल महाप्रबंधक अरुण कुमार राजपूत ने बताया कि शहरभर में 30 ओवरहेड टैंक और सीडब्ल्यूआर की सफाई के लिए रोस्टर जारी है। सोमवार को हरीपर्वत जोन स्थित लॉयर्स कॉलोनी में सीडब्ल्यूआर की सफाई के कारण दयालबाग, नगला पदी, टैगोर नगर, कबीर नगर, कौशलपुर, निर्भय नगर, देव नगर आदि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी।

रवानी ट्राइब को कहार जाति से अलग करने को याचिका

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश में रवानी ट्राइब को कहार जाति से अलग कर स्वतंत्र पहचान दिए जाने का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई कर केंद्र व राज्य सरकार से 4 हफ्ते में जमाब देने को कहा है।

कोल्हुआ पुल पर भीषण हादसा अनियंत्रित ट्रक नीचे गिरा

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच। थाना पयागपुर क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया। कोल्हुआ के पास बने पुल पर तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नीचे जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई।

घटना की सूचना स्थानीय निवासी सियाकत खान पुत्र निजामुद्दीन, निवासी नगर गोटारी ने दी। उन्होंने बताया कि ट्रक संख्या CG15ED8090 पुल पार करते समय अचानक संतुलन खो बैठा, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में ट्रक में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान संतोष यादव पुत्र बृजबिहारी यादव और अंकित यादव पुत्र राज नारायण यादव, निवासी सोनभद्र के बभनी क्षेत्र के रूप में हुई है। दोनों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

48 घंटे में यूपी के 10 शहरों में ओले गिरे

आज 18 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, कल से पूरे प्रदेश में बिगड़ेगा मौसम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में बेमौसम बारिश से मौसम बदल गया है। सोमवार सुबह लखनऊ-कानपुर समेत ज्यादातर जिलों में सर्द हवाओं के चलते ठंड का एहसास हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 18 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। आंधी चलने के साथ और ओले गिरने के भी आसार हैं। वहीं, कल यानी मंगलवार से 9 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में बारिश और ओले गिरने की आशंका है।

पिछले 48 घंटों में वाराणसी-कानपुर समेत 43 जिलों में बारिश हुई। मथुरा, कानपुर, संभल और जालौन समेत 10 शहरों में ओले गिरे। इटावा में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 30 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में पिछले 3 दिनों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

बारिश से प्रदेश का औसत तापमान 4 डिग्री तक गिर गया। अधिकतम तापमान 42 डिग्री से घटकर 38 डिग्री तक पहुंच गया। रविवार को 38.2 डिग्री के साथ बहराइच प्रदेश में सबसे गर्म रहा।

■ कानपुर में शनिवार-रविवार दोनों दिन ओले गिरे। सड़क किनारे बर्फ की सफेद चादर बिछ गई।

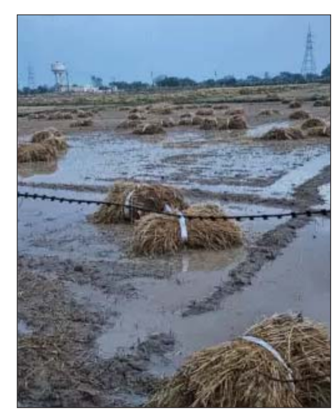

योगी बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अफसर अलर्ट पर रहें

सीएम योगी ने कहा है कि बारिश से किसानों को जो नुकसान हो रहा है, उसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी डीएम से नुकसान की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा- सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। सुनिश्चित करें कि आपदा का असर किसानों पर कम से कम पड़े। अगर कहीं जान-माल या पशुओं का नुकसान हुआ है, या कोई घायल हुआ है, तो 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिलाया जाए।

लखनऊः सुबह ठंड का एहसास हुआ। मौसम साफ रहने की वजह से अच्छी धूप निकली है। हालांकि, ठंडी हवा से गर्मी से राहत मिली। कल से मौसम बदल सकता है।

वाराणसीः आसमान में बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। हवा की रफ्तार 8 किलोमीटर प्रति घंटे है। मौसम विभाग कल से बारिश की संभावना जताई है। एक्यूआई 83 है।

अयोध्याः सुबह से ही तेज धूप निकली है। मौसम विभाग के अनुसार, मौसम में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। फिलहाल 24 घंटे में बारिश के कोई संभावना नहीं है।

झांसी में 15 घंटे बाद एक की लाश मिली, कोचिंग बंक कर घूमने गए थे

रील बनाते समय नाव पलटी, चार छात्र डूबे

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में रविवार शाम रेलवे डैम में नाव पलटने से 4 दोस्त डूब गए। एक की मौत हो गई, दूसरा लापता है, जबकि 2 को बचाया गया। छात्र नाव पर रील बना रहे थे, तभी उनका बैलेंस बिगड़ा और डैम के बीचों-बीच नाव पलट गई।

नाव में सवार चारों छात्र चिल्लाने लगे। डैम के किनारे मौजूद एक युवक ने 2 दोस्तों श्रवण और शौर्य को सुरक्षित बाहर निकाला। वेदांश और आतिफ लापता हो गए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब 15 घंटे बाद सोमवार सुबह आतिफ का शव बरामद हुआ। वेदांश की तलाश जारी है। मामला रक्सा के गढ़िया गांव का है। चारों कोचिंग बंक करके घूमने गए थे। डैम में नाव पर बैठे छात्रों का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में वेदांश यादव कहता है- हम लोग घूमने आए थे। एक नाव मिल गई है, इसे हाईजैक कर लिया है। अब पूरे रेलवे डैम में घूमेंगे। मुझे तैरना आता है, मैं बच जाऊंगा, लेकिन इसका (शौर्य) पता नहीं। डैम के पास कल्लू केवट बकरियां चरा रहा था। जैसे ही उसने चारों दोस्तों को डूबते देखा, वह तुरंत नाव लेकर डैम में उतर गया।

आतिफ मंसूरी, मृतक

चारों माउंट लिट्रा जी स्कूल में पढ़ते थे

प्रेमनगर के महावीरन मोहल्ला निवासी श्रवण तिवारी (19), लहर गिर्द निवासी शौर्य (18), प्रेमगंज निवासी वेदांश यादव (18) और नगरा निवासी आतिफ मंसूरी (19) माउंट लिट्रा जी स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र थे। परीक्षाएं खत्म होने के बाद रविवार को चारों ट्यूशन जाने के बहाने घर से निकले थे। ट्यूशन न जाकर बाइक से गढ़िया गांव के रेलवे डैम पहुंच गए। यहां घूमने के दौरान उन्हें किनारे एक नाव मिल गई। इसके बाद चारों नाव लेकर पानी में उतर गए। शौर्य नाव चलाने लगा, जबकि वेदांश नाव पर खड़े होकर रील बनाने लगे। जैसे ही नाव गहरे पानी में पहुंची, अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई।

करीब 30 फीट गहराई में छात्र डूबे

सोमवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थानीय गोताखोरों की मदद से सुबह करीब 9 बजे आतिफ मंसूरी का शव बरामद कर लिया गया। वेदांश यादव का अभी तक कुछ पता नहीं चला है। जहां छात्र डूबे थे, वहां डैम में करीब 30 फीट गहराई बताई जा रही है।

दोपहर करीब 12:30 बजे जालौन से एसडीआर-एफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई और तलाश अभियान तेज कर दिया। घटना के बाद परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर एसडीएम गोपेश तिवारी समेत पुलिस अधिकारी मौजूद हैं और बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

कैसरगंज में राशन वितरण घोटाले का आरोप
ग्रामीणों ने तहसील में किया प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच। बहराइच के कैसरगंज तहसील क्षेत्र में राशन वितरण में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया। ग्राम पंचायत पचंभा तौकलपुर के दर्जनों कार्डधारकों ने तहसील और कोतवाली कैसरगंज परिसर में प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने कोटेदार डॉक्टर अली अहमद पुत्र असगर खां पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह समय से राशन की दुकान नहीं खोलते और पहले ही कार्डधारकों के अंगूठे लगवा लेते हैं। इसके बाद लोगों को कई दिनों तक राशन के लिए चक्कर लगवाया जाता है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अंत्योदय कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम, मात्र 32 किलो राशन और लगभग 2 किलो 200 ग्राम चीनी दी जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

9 पुलिसकर्मियों को ...

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे।

पीड़ितों के वकील जबा सिंह ने कहा, अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ए1 से ए9 तक सभी आरोपियों को मौत की सजा दी गई। पहले आरोपी (ए1) को 24 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश मिला। दूसरे आरोपी (ए2) को 16.30 लाख रुपये देने होंगे। कुल मिलाकर मृतक बेनिक्स की मां को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी मुआवजा नहीं देंगे तो उनकी संपत्ति जब्त कर बेच दी जाएगी और राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी।

पीड़ित के परिवार के सदस्य पर्सी ने कहा, अदालत ने हमारे मामले में न्याय किया। हमने अदालत पर विश्वास रखा। अब कोई और परिवार ऐसा दुख न सहे, इसके लिए हम लंबे समय तक संघर्ष करते रहे। हमें उम्मीद है कि ऐसे हादसे भविष्य में कभी नहीं होंगे।

अदालत के फैसले राज्य की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के प्रवक्ता टीकेएस लंगोवन ने कहा, हां, उन्होंने दोनों पर बेरहमी से हमला किया, उन्हें रातभर लटकाए रखा और उनकी हत्या की। कोई कार्रवाई नहीं की गई। उस समय एआईएडीएमके सत्ता में थी। उनके सत्ता से बेदखल होने के बाद हमने जांच शुरू की और उन पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया।

9 पुलिसकर्मियों में ...

यह मामला पूरे देश में हिरासत में हिंसा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस का केंद्र बन गया था। अब सजा सुनाए जाने के बाद मामला अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है।

इजराइल का तेहरान...

यह दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड है और ईरान के लिए बहुत अहम है। इस हमले से ईरान की ऊर्जा सप्लाई और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के असालुयेह में बने सबसे बड़े पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमला किया है। इजराइल के मुताबिक, इस प्लांट ईरान का करीब 50% पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन होता था।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी एक और बड़े प्लांट को निशाना बनाया गया था। अब इन दोनों हमलों के बाद ईरान के ज्यादातर पेट्रोकेमिकल प्लांट काम नहीं कर रहे हैं। इन हमलों से ईरान को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है और इससे उसके सैन्य खर्च पर भी असर पड़ेगा।

इजराइल ने सोमवार को ईरान में कई अहम सैन्य ठिकानों पर हमले किए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान के पास मौजूद तीन एयरपोर्ट्स पर भारी बमबारी की गई। इजरायल का कहना है कि इन हमलों में कई एयरक्राफ्ट, हेलिकॉप्टर और दूसरे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

इसी दौरान बुशहर में ईरान के बड़े नेवी बेस पर भी जोरदार धमाका हुआ। यहां नेवल बेस के साथ एयरफोर्स बेस, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन के अंडरग्राउंड स्टोरेज मौजूद थे।

ईरान के प्रवक्ता इस्माइल बाघाई ने कहा कि इस ऑपरेशन को लेकर कई सवाल हैं।

उपराष्ट्रपति का ...

यह पहली बार है जब मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए ऐसा नोटिस दिया जा रहा है।

राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। वहीं लोकसभा में CEC को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

विपक्ष का आरोप है कि CEC कई मौकों पर सत्तारूढ़ भाजपा को फायदा पहुंचाने में मदद कर रहे हैं, खासकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) नाम की मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर। विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया केंद्र की सरकार को फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है।

विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग असली मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा रहा है।

बीजेपी और एलडीएफ ...

पुडुचेरी के मन्नाडीपेट में गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि नारायणसामी सरकार के दौरान मेडिकल कॉलेजों की PG और डिप्लोमा सीटें खुलेआम बेची जाती थीं। दलित भाइयों और बहनों के लिए आरक्षित सीटें भी आरक्षण नियमों से बाहर जाकर बेची गईं।

पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ने खुलेआम कोलकाता पर हमला करने की धमकी दी है। और नरेंद्र मोदी ने क्या कहा? कुछ नहीं। कल कूच बिहार में पीएम ने एक रैली की लेकिन कोलकाता और उसके लोगों के लिए इस बड़े खतरे के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। क्या बंगालियों की जान उनके और उनके होम मिनिस्टर के लिए इतनी छोटी है? क्या हम इंडियन यूनियन का एक स्टेट नहीं माने जाते? क्या हमारे लोगों की जान कोई मायने नहीं रखती? या बंगाल सिर्फ इलेक्शन के दौरान वोट पाने के काम आता है और फिर जब बाहरी अटैक का खतरा होता है तो उसे पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया जाता है?

प्रियंका बोलीं...

उन्होंने दावा किया कि LDF ने BJP के साथ डील करने का फैसला किया, जो अल्पसंख्यकों, खासकर ईसाई समुदाय और उनकी ननों को परेशान करती है।

प्रियंका ने आरोप लगाया कि सबरीमाला में बड़ी चोरी के बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला और इसे डील के सबूत के तौर पर बताया। जब कोई भी PM के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उन पर CBI, ED या इनकम टैक्स के केस दर्ज हो जाते हैं।

सत्ता नहीं, संस्कार...

उन्होंने देश की अखंडता पर जोर दिया। आजादी के बाद से ही कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने विश्वासघात करना प्रारंभ कर दिया था। यह विश्वासघात हर स्तर पर था। देश के अंदर ही परमिट सिस्टम लागू किया गया, जम्मू कश्मीर को अलग स्टेटस दे दिया गया। शेष भारत के लोग परमिट लेकर वहां जा सकते थे। पूर्वोत्तर राज्यों में भी कुछ जगहों पर यही व्यवस्था लागू की गई। तब पहली बार कांग्रेस की इस पृथकतावादी सोच के खिलाफ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आवाज बुलंद की थी। उन्होंने नारा दिया था – "एक देश में दो प्रधान, दो निशान, दो विधान नहीं चलेंगे।" डॉ. मुखर्जी ने इसके लिए अपना बलिदान भी कर दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भी भारतीय राजनीति के एक ऐसे विचारक थे, जिन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के लिए 'अंत्योदय' की नई दृष्टि भारतीय राजनीति को दी।

बिना एड्रेस प्रूफ...

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह कदम प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए उठाया गया है, जिनके पास शहर में कोई स्थायी पता नहीं है। अब ग्राहकों को ऑथोराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाकर सिर्फ अपनी कोई भी एक फोटो-ID दिखानी होगी और वे तुरंत सिलेंडर ले सकेंगे।

सप्लाई पर असर...

कामकाज के लिए दूसरे शहरों में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सरकार ने HPCL के चुनिंदा आउटलेट्स पर 11 विशेष हेल्प डेस्क बनाई हैं। ये डेस्क उपभोक्ताओं को नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर की जानकारी देंगे और उन्हें बिना किसी परेशानी के सिलेंडर दिलाने में मदद करेंगे। घरेलू गैस की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर है; एक ही दिन में 51 लाख से ज्यादा डोमेस्टिक सिलेंडरों की डिलीवरी की गई है। खास बात यह है कि कुल मांग का 95% हिस्सा अब ऑनलाइन बुकिंग के जरिए आ रहा है।

कोहली सीएसके के खिलाफ टॉप स्कोरर

डेविड का 106 मीटर सिक्स मैदान के बाहर गया, भुवनेश्वर के 200 विकेट पूरे

टिम डेविड ने 8 सिक्स लगाए, एक स्टेडियम के बाहर गया

टिम डेविड ने डेथ ओवर्स में 8 सिक्स लगाए। 16वें ओवर में नूर अहमद के खिलाफ लगातार 3 सिक्स लगाए। 17वें ओवर में अंशुल कंबोज की नो बॉल पर बोल्ड होने के बावजूद फ्री हिट पर सिक्स लगाया।

18वें ओवर में जेमी ओवर्टन के खिलाफ डेविड ने 4 सिक्स से फिफ्टी पूरी की। उनका एक छक्का स्टेडियम के बाहर क्यूब्बन पार्क तक गया। यह सिक्स 106 मीटर का रहा।

मुकाबला

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 43 रन से हराया। रविवार के मैच में विराट कोहली CSK के खिलाफ IPL में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। RCB ने 250/3 बनाकर अपना तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। टिम डेविड ने 106 मीटर सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर गई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 250/3 बनाकर IPL इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। नंबर-1 पर 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 263/5 का स्कोर है।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले के नाम पर छोर बनाए गए। यह सम्मान कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) ने दिया। 14वें ओवर में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड से देवदत्त पडीक्कल का कैच छूटा। मैट हेनरी की गेंद पर पडीक्कल ने कवर की ओर शॉट खेला। गायकवाड दाईं ओर मूव हुए, लेकिन गेंद हाथ में नहीं टिक पाई और कैच छूट गया।

छठे ओवर में अजीब नजारा दिखा। अभिनंदन सिंह की ऑफ स्टंप के बाहर गेंद पर सरफराज खान ने शॉट खेलते समय बल्ला छोड़ दिया। बल्ला शॉर्ट मिडविकेट के पास गिरा, जबकि सरफराज रन के लिए भागे।

इससे पहले उन्हें कैच ड्रॉप का जीवनदान मिला था।

आरसीबी ने सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाए

RCB ने 19 सिक्स लगाए। यह CSK के खिलाफ किसी टीम द्वारा एक पारी में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले रिकॉर्ड 17 सिक्स का था। इसे कोलकाता (2018, चेन्नई) और राजस्थान (2020, शारजाह) ने बनाया था। यह RCB की पारी में तीसरा सबसे ज्यादा सिक्स का आंकड़ा भी है।

> विराट कोहली ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। उनके 1174 रन हो गए। वे किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बने। दूसरे नंबर पर मुंबई के रोहित शर्मा हैं। उनके कोलकाता के खिलाफ 1161 रन हैं।

दुबे से कोहली का कैच छूटा

तीसरे ओवर में शिवम दुबे ने विराट कोहली का कैच छोड़ा। खलील अहमद की फुल गेंद पर कोहली ने सामने शॉट खेला। मिडऑन पर दुबे पीछे दौड़े, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। कोहली 18 बॉल पर 28 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में अंशुल कंबोज की गेंद पर दुबे ने ही उनका कैच पकड़ा।

भुवनेश्वर 200 आईपीएल विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज

भुवनेश्वर कुमार IPL में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने 192 मैचों में यह मुकाम हासिल किया। ओवरऑल विकेट टेकर्स में वे स्पिनर युजवेंद्र चहल के बाद दूसरे नंबर पर हैं। चहल के 224 विकेट हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड : 3 दिन में 6 डायरेक्टर्स का इस्तीफा

प्रेसिडेंट बोले- सब चले जाएं, मैं आखिर तक हूं, लिटन 2028 तक कप्तान रहेंगे

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) में इस वक्त भारी उठापटक चल रही है। शनिवार को बोर्ड के 4 और डायरेक्टर्स ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। गुरुवार को भी 2 मेंबर्स ने अपना पद छोड़ा था।

बोर्ड प्रेसिडेंट अमिनुल इस्लाम ने जरूर कह दिया, सब भले चले जाएं, मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सप्ताह के अंदर BCB की नई सरकार भंग हो सकती है।

बोर्ड ने लिटन दास को 2028 और मेहदी हसन को 2027 तक टी-20 कप्तान भी बनाए रखा है।

शनिवार को हुई मीटिंग के बाद सानियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजूरुल आलम ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इससे 2 दिन पहले ही यासिर मोहम्मद और फैसल आशिक ने भी

पद छोड़ दिया था। अब तक 6 डायरेक्टर्स BCB का साथ छोड़ चुके हैं। माना जा रहा है कि कुछ और लोग भी पद छोड़ने की तैयारी में हैं।

अमिनुल इस्लाम बुलबुल मीडिया के सामने तो नहीं आए, लेकिन एक टीवी चैनल से बातचीत में अपना दर्द बयां कर दिया। उन्होंने कहा, ₹मैं आखिरी दिन तक अपनी कुर्सी संभालूंगा। हमारी टीम अच्छी और ईमानदार है, मैं उनके साथ मिलकर देश के क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं। उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि कुछ बाहरी ताकतें उन्हें खुलकर काम नहीं करने दे रही हैं। बुलबुल के मुताबिक, ₹हमें एक दिन भी आजादी से काम नहीं करने दिया गया। बाहर से लगातार दखलअंदाजी हो रही है, जिसकी वजह से हमारे क्रिकेट की रफ्तार थम गई है। बोर्ड के पिछले चुनाव को लेकर काफी विवाद चल रहा है। अब नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल इसकी जांच कर रही है। माना जा रहा है कि इसी जांच और मीडिया के सवालों से बचने के लिए अध्यक्ष मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए। इससे पहले भी कुछ बड़े अधिकारियों ने 'निजी कारणों' का हवाला देकर इस्तीफा दिया था, लेकिन असल वजह बोर्ड के अंदर मची कलह को माना जा रहा है।

पंत ने दो बार एक हाथ से कैच लपका

हैदराबाद । लखनऊ सुपर जायंट्स ने IPL 2026 के 10वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हरा दिया। राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने लियम लिविंगस्टन और हेनरिक क्लासन का कैच एक हाथ से लपका। वहीं, क्लासन ने जीवनदान के बाद आवेश खान के ओवर में 4 चौके लगा दिए।

हैदराबाद के लिए नीतीश रेड्डी और हेनरिक क्लासन ने 5वें विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। यह टीम के इतिहास में 5वें या उससे नीचे के विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बन गई।

इससे पहले 2025 में मुंबई के खिलाफ क्लासन ने ही अभिषेक मनोहर के साथ हैदराबाद में 6वें विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की थी। ओवरऑल सबसे बड़ी साझेदारी की बात करें तो यूसुफ पठान और शाकीब अल हसन ने कोलकाता के लिए गुजरात के खिलाफ नाबाद 134 रन जोड़े थे।

मीनाक्षी और जैस्मिन सहित 5 महिला बॉक्सर सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन : एशियन बॉक्सिग चैंपियनशिप में 11 मेडल पक्के

मुक्केबाज़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच महिला और छह पुरुष मुक्केबाज़ों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

पुरुष वर्ग में लोकेश, आकाश और हर्ष चौधरी की जीत के साथ कुल छह भारतीय बॉक्सर सेमीफा-इनल में पहुंच चुके हैं।

रविवार के मॉर्निंग सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मिन (57 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह

पक्की कर ली। मीनाक्षी ने जापान की युका सादामात्सु को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। वहीं, जैस्मिन ने चीन की झियी चेन को 5-0 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया।

इससे पहले शनिवार को निखत जरीन, प्रिया घंघास और प्रीति पवार भी अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

वहीं, 50 किग्रा वर्ग में विश्वनाथ सुरेश और 60 किग्रा में सचिन ने भी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

लोकेश, आकाश और हर्ष आगे बढ़े

पुरुष वर्ग में भारतीय मुक्केबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी दावेदारी मजबूत की। 85 किग्रा भार वर्ग में लोकेश ने कोरिया के गिचे किम को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, आकाश ने तुर्कमेनिस्तान के यल्हास बग्टयारोव को 5-0 से मात दी। इसके अलावा, हर्ष चौधरी ने किर्गिज़ गणराज्य के तिनिस्तान अलीबाएव को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। हालांकि, 80 किग्रा भार वर्ग में अंकुश को जॉर्डन के हुसैन इशाश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मनोरंजन

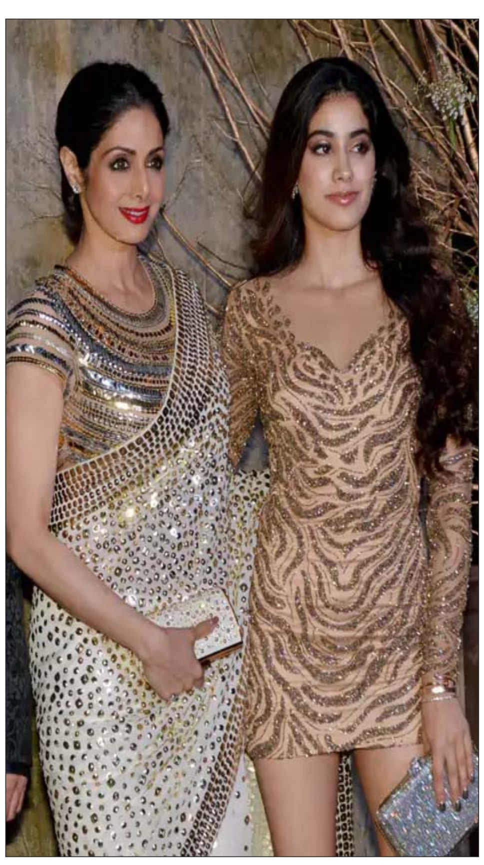

श्रीदेवी के जाने के बाद कई गलत फैसले लिए, दुनिया ने बुरा व्यवहार किया

मैं पूरी तरह से मां पर निर्भर थी : जाह्नवी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में अपनी मां और सुपरस्टार श्रीदेवी के निधन और उसके बाद आई मुश्किलों पर बात की है। जाह्नवी ने बताया कि वे अपनी जिंदगी के हर छोटे-बड़े फैसले के लिए मां पर निर्भर थीं।

उनके अचानक चले जाने के बाद जाह्नवी को न सिर्फ अकेले फैसले लेना सीखना पड़ा, बल्कि दुनिया के कड़े व्यवहार और ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा।

अपनी मां के मजाकिया स्वभाव को याद करते हुए जाह्नवी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि श्रीदेवी की जगह दुनिया में कोई नहीं ले सकता। जाह्नवी ने अपने पिता बोनी कपूर के बारे में कहा, उस दिन मैंने सिर्फ परिवार का एक सदस्य नहीं खोया था, बल्कि अपने पिता को भी खो दिया था। जब मां हमारे साथ थीं, तब पापा बिल्कुल अलग इंसान थे। आज वह जैसे हैं मैं उससे खुश हूं, लेकिन वह पहले जैसे नहीं रहे।₹ जाह्नवी के मुताबिक, उनकी फैमिली की खुशी और पॉजिटिविटी में श्रीदेवी का सबसे बड़ा योगदान था।

हर छोटी बात के लिए मां पर थीं निर्भर

राज शमानी के पॉडकास्ट में जाह्नवी ने बताया कि श्रीदेवी के रहते उन्होंने कभी खुद से कोई फैसला नहीं लिया था। जाह्नवी ने कहा, ₹मैं उन पर पूरी तरह निर्भर थी। मैं उनसे हर बात पूछती थी की क्या कपड़े पहनूं? क्या करूं? क्या सही है और क्या गलत? उनके जाने के बाद मुझे अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेना सीखना पड़ा।

दुनिया मेरे दुख को जज कर रही थी

जाह्नवी ने उस दौर के तनाव को याद करते हुए बताया कि लोग उनके दुख का पैमाना तय कर रहे थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, ₹दुनिया मुझे तोड़ने की कोशिश कर रही थी। लोग कमेंट करते थे कि देखो वह अब कुछ ज्यादा ही मुस्कुरा रही है, वह उतनी दुखी नहीं है जितनी उसे होना चाहिए। मेरे परिवार पर भी कई तरह के आरोप लगाए गए।

धुरंधर 2 के बाद बॉक्स ऑफिस पर होगा सनी देयोल का धमाका

सिनेमाघरों में तबाही मचाने आ रही नई फिल्म

नई दिल्ली। बॉर्डर 2 के बाद सनी देओल फिर से बॉक्स ऑफिस पर तूफानी रफ्तार से छा जाने की तैयारी में हैं। धुरंधर 2 की बॉक्स ऑफिस पर हलचल के बीच सनी ने अपनी एंटीसिपेटेड फिल्म पर काम शुरू कर दिया है।

68 साल के सनी देओल के पास फिल्मों की कमी नहीं है। गदर 2, जाट और बॉर्डर 2 की ताबड़तोड़ सफलता के साथ ही अभिनेता के पास आगामी फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है।

अपनी अपकमिंग फिल्मों में से एक पर सनी देओल (Sunny Deol Upcoming Film) पर काम शुरू कर दिया है। सनी देओल पिछले कुछ समय से

अपनी हाई ओक्टेन एक्शन ड्रामा एंटनी (Antony) की शूटिंग में व्यस्त हैं। पहले मुंबई में शूट हुआ और अब फिल्म की शूटिंग गोवा में हो रही है जिसके लिए सनी देओल रवाना भी हो चुके हैं। मिड-डे के मुताबिक, एंटनी की शूटिंग गोवा में करीब एक महीने तक होने वाली है। गोवा में डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में बन रही एंटनी का फाइट सीन शूट होना है।

42 की उम्र में करिश्मा तन्ना बनने वाली हैं मां

शादी के 4 साल बाद एक्ट्रेस ने अनाउंस की प्रेग्नेंसी

नई दिल्ली। दिव्यांका त्रिपाठी और सुरभि ज्योति के बाद एक और अदाकारा ने अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस कर दी है। वह चार महीने के बाद अपने पहले बच्चे को जन्म देंगी। यह अदाकारा हैं करिश्मा तन्ना ।

टीवी शोज और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं करिश्मा तन्ना शादी के चार साल बाद एक नया चैप्टर शुरू करने जा रही हैं। उन्होंने साल 2022 में बिजनेसमैन वरुण बंगेरा (Varun Bangera) से शादी की थी।

अब शादी के चार साल बाद करिश्मा तन्ना के घर में एक नन्हा मेहमान आने वाला है। एक्ट्रेस ने सोमवार को एक प्यारे पोस्ट के जरिए अपने फैंस को यह खुशखबरी दी। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ढेर सारी तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें करिश्मा और वरुण मॉम एंड डैड की टोपी पहनकर पोज दे रहे हैं। फोटोज में बेबी शूज भी नजर आ रहा है।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अगस्त के महीने में पहले बच्चे का स्वागत कर सकती हैं। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, ₹एक छोटा-सा चमत्कार, हमारा सबसे बड़ा तोहफा- अगस्त 2026। करिश्मा तन्ना के इस पोस्ट पर सेलिब्रिटीज ने भी कमेंट कर उन्हें बधाई दी है।

धुरंधर से सबकी जली : जाकिर खान

बॉलीवुड पर कसा तंज, कहा- बम ल्यारी में फूटे, पर धुआं बांद्रा से जूहू में उड़ा

नई दिल्ली। 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'धुरंधर 2ः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड ब्रेक कर रही है। इस बीच कॉमेडियन जाकिर खान ने फिल्म की सफलता को लेकर बॉलीवुड पर चुटकी ली है। जाकिर खान ने एक अवॉर्ड शो के दौरान कहा कि इंडस्ट्री के लोग आदित्य धर की इस फिल्म से अंदर ही अंदर जल रहे हैं।

जाकिर ने कहा, ₹कितने ही बधाई पोस्ट आप डाल दें, कितनी ही स्टोरी शेयर कर दें या इंटरव्यू में इसे अपनी पसंदीदा फिल्म बता दें, मगर सच तो ये है कि धुरंधर से सबकी जली तो है।

जाकिर ने फिल्म के एक्शन सीन्स का जिक्र करते हुए बांद्रा और जुहू (जहां बॉलीवुड स्टार्स रहते हैं) पर निशाना साधा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ₹बम फिल्म में ल्यारी (कराची) में फूटे, पर धुआं बांद्रा से जुहू में उड़ा है। उनका इशारा उन सेलेब्स की तरफ था जो फिल्म की ब्लॉकबस्टर ओपनिंग के समय चुप थे, लेकिन अब रिकॉर्ड टूटने पर इसकी तारीफ कर रहे हैं।

'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की रिलीज के बाद सबसे पहले महेश बाबू, अल्लू अर्जुन और एसएस राजामौली जैसे साउथ के दिग्गजों ने इसकी सराहना की थी। इसके काफी समय बाद बॉलीवुड से आलिया भट्ट, करण जौहर और विक्की कौशल ने फिल्म के कलाकारों के काम की तारीफ की।

जाकिर ने बताई ब्रेक लेने की असली वजह

इसी बीच, जाकिर खान ने अपने लाइव टूर से ब्रेक लेने की खबरों पर भी सफाई दी है। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर उनकी सेहत को लेकर चल रही खबरें गलत हैं। जाकिर ने कहा, ब्रेक की असली कहानी ये है कि मेरे पास बहुत सारा लिखने का काम पेंडिंग था, जिसे मैं पिछले छह साल से नहीं कर पाया था। मेरी सेहत बहुत खराब नहीं है। जो कुछ भी आप पढ़ रहे हैं वो अनावश्यक बकवास है।

धुरंधर 2 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ने के पहुंची करीब

नई दिल्ली। आदित्य धर निर्देशित धुरंधरः द रिवेंज इस वक्त कमाई से नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। यह भारत की सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई है। यही नहीं, दुनियाभर में भी फिल्म नया रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में है।

धुरंधर 2 दिन-ब-दिन कमाई से नई उपलब्धि हासिल कर रही है। इस फिल्म ने पहले अपनी ही फिल्म धुरंधर के रिकॉर्ड को चकनाचूर किया और अब तीन बड़ी फिल्मों को रौंदने के लिए आगे बढ़ गई है।

धुरंधर 2 की रिलीज को 18 दिन हुए हैं और इसने अभी से उन फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने लाइफटाइम कलेक्शन से इतिहास रचा था। सैकनिल्क के मुताबिक, रविवार तक धुरंधर 2 ने दुनियाभर में 1600 करोड़ के पार कारोबार कर लिया है। इस फिल्म ने सिर्फ विदेशी बाजार में 392 करोड़ रुपये कमाए हैं। धुरंधर 2 ने अभी तक RRR, केजीएफ 2, जवान, पठान और कल्कि 2898 एडी जैसी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ा है।

खालिस्तानियों ने 100-100 डॉलर देकर जुटाई भीड़

मंदिर के बाहर हिंदू-भारत विरोधी नारे लगाए, बोले- हरियाणा-दिल्ली, बीकानेर हमारे

नारेबाजी

जालंधर, एजेंसी

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानियों ने त्रिवेणी मंदिर के बाहर भारत के खिलाफ नारे लगाए। खालिस्तानियों के जुटने से शहर में 2 घंटे तक तनावपूर्ण माहौल रहा। हिंसक घटना को रोकने के लिए कनाडा पुलिस का भारी बल तैनात रहा। खालिस्तानियों ने नारे लगाते हुए हरियाणा-दिल्ली और बीकानेर पर अपना हक बताया। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि प्रदर्शन के लिए ये खालिस्तान समर्थक भाड़े पर लाए गए थे।

एक्स पर एक यूजर दर्शन महाराजा ने लिखा कि खालिस्तानी आतंकियों ने लोगों को जुटाने के लिए 100-100 डॉलर का लालच दिया। इसके चलते 40 से 50 के करीब लोगों को नारे लगाने के लिए उकसाया गया।

प्रदर्शन की संवेदनशीलता को देखते हुए पील रीजनल पुलिस मुस्तैद रही। मंदिर के आसपास की सड़कों पर पुलिस की सफेद SUV लगातार गश्त कर रही थीं। किसी भी संभावित झड़प को रोकने के लिए 100 मीटर का सेफ्टी जोन बनाया गया था। पुलिस की मुस्तैदी के कारण कोई हिंसा या शोर-शराबा नहीं हुआ।

कनाडा में प्रदर्शन के लिए जुटे खालिस्तान समर्थक।

हिंदू कनाडियन फाउंडेशन (HCF) और त्रिवेणी मंदिर प्रशासन ने इस प्रदर्शन की निंदा की है। समुदाय के नेताओं का कहना है कि पूजा स्थलों के बाहर इस तरह के राजनीतिक प्रदर्शनों का एकमात्र उद्देश्य भक्तों को डराना और शांति भंग करना है। HCF ने एक बयान में कहा कि हम अपने पूजा करने के अधिकार की रक्षा करेंगे। किसी भी प्रकार की धमकी या उकसावे वाली कार्रवाई हमें हमारे विश्वास से पीछे नहीं हटा सकती। मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं ने भी इस बात पर नाराजगी जताई कि उन्हें अपने ही पूजा स्थल पर जाने के लिए पुलिस बैरिकेड्स और विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है।

> **प्रदर्शन में एक और दिलचस्प पहलू यह रहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे के बावजूद कनाडा मीडिया ने खालिस्तानियों को कवरेज नहीं दी। स्थानीय हिंदू समुदाय का आरोप है कि कनाडाई मीडिया अक्सर ऐसे मामलों को नजरअंदाज करता है।**

सरे में प्रदर्शन नहीं करने दिया

5 मार्च की दोपहर जब मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए इकट्ठे हो रहे थे, तभी दोपहर लगभग 12 बजे से 2 बजे के बीच मंदिर के सामने वाली सड़क पर खालिस्तान समर्थक जमा होने शुरू हो गए। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस हिंदू मंदिरों के बाहर विरोध दर्ज करवाया। इसी तरह का एक प्रदर्शन ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर भी प्रस्तावित था, लेकिन वहां खालिस्तानियों को प्रदर्शन नहीं करने दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया किया कि प्रदर्शन में लगभग 40 लोग मौजूद थे। ये लोग सड़क किनारे लगाए गए मेटल बैरिकेड्स के पीछे खड़े होकर पीले खालिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में कुछ विवादित पोस्टर भी थे, जिन पर वांटेड लिखा हुआ था और कुछ व्यक्तियों की तस्वीरें भी थीं।

दावा- प्रदर्शन में भीड़ जुटाने के लिए दिया था 100 डालर देने का लालच

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब घटनास्थल पर मौजूद विश्लेषक और फ्रीलांस पत्रकार दर्शन महाराजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुलासा किया। महाराजा ने बताया कि वहां मौजूद एक व्यक्ति ने ऑफ-कैमरा उन्हें जानकारी दी कि इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को 100 कनाडाई डॉलर दिए जा रहे हैं। यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे इन प्रदर्शनों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आलोचकों का कहना है कि कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन को जीवित दिखाने के लिए अब भाड़े की भीड़ का सहारा लिया जा रहा है। दर्शन महाराजा ने कनाडाई राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले 50 वर्षों में वोट और डोनेशन के लालच में यहां के नेताओं ने ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया है। उसी का नतीजा है कि आज ये लोग बेलगाम हो चुके हैं।

पहले जैसे नहीं होंगे हालात : ईरानी नौसेना

तेहरान, एजेंसी

ईरानी मीडिया प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार नौसेना ने हालिया क्षेत्रीय विकास को रेखांकित किया है, जिससे एक नई वास्तविकता स्थापित हुई है। इस नई हकीकत के तहत, वाशिंगटन के नेतृत्व वाली बाहरी शक्तियां अब ईरान के तत्काल समुद्री वातावरण में अपनी शर्तों को निर्धारित नहीं कर सकतीं या अनियंत्रित प्रभाव नहीं डाल सकतीं। प्रेस टीवी के अनुसार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में यह टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि ईरानी अधिकारियों की फारस की खाड़ी में एक नए व्यवस्था की योजना के लिए तैयारियां चल रही हैं। इस पहल का उद्देश्य फारस की खाड़ी में एक नई स्वदेशी सुरक्षा व्यवस्था स्थापित करना है। इसका सिद्धांत यह है कि क्षेत्र की स्थिरता और सुरक्षा की गारंटी स्वयं तटीय राज्यों द्वारा दी जानी चाहिए, जिसमें बाहरी ताकतों की उत्तेजक और अवैध उपस्थिति न हो। प्रेस टीवी के अनुसार इन तैयारियों में नौसैनिक तैनाती में वृद्धि, उन्नत निगरानी प्रणालियां और समन्वित त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताएं शामिल हैं। यह सब ईरानी क्षेत्रीय जल की सुरक्षा और जलडमरूमध्य के माध्यम से ऊर्जा के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। नौसेना कमान का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर आया है, जिसमें उन्होंने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर वह होर्मुज को बंद रखना जारी रखता है तो उसे नरक का सामना करना पड़ेगा।

फास्ट न्यूज

एक एयरमैन को बचाने के लिए उड़ा दिया 100 मिलियन डॉलर का विमान

नई दिल्ली। अमेरिका ने रविवार को पूरी दुनिया को दिखा दिया कि वह अपने एक भी सैनिक को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यहां तक की मिलियन डॉलर कीमत के विमानों को एक झटके में उड़ाकर खाक भी कर सकता है। दरअसल, मामला यह है कि ईरान में सैन्य कार्रवाई के दौरान अमेरिका का दो एयरमैन ईरान के काफी अंदर फंस गए थे।

सोना आज 1,283 बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोना-चांदी के दाम में मंगलवार को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,283 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 3 अप्रैल को इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 3,215 रुपए बढ़कर 2.31 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.28 लाख रुपए प्रति किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इजरायल में मिली 2100 साल पुरानी गोली, इस पर लिखा था दुश्मनों के नाम संदेश

नई दिल्ली। आर्कियोलॉजिस्ट को इजरायल के प्राचीन शहर हिप्पोस में लगभग 2,100 साल पुरानी एक सीसे की गुलेल की गोली मिली है। इस गोली पर दुश्मन सेनाओं को निशाना बनाते हुए एक तीखा और व्यंग्यात्मक संदेश उकेरा गया है। यह गोली हिप्पोस में एक प्राचीन सड़क के किनारे स्थित कब्रिस्तान वाले क्षेत्र से मिली है।

मंगल शोभायात्रा पर रोक की मांग, सांप्रदायिक तनाव बढ़ा

बोले- धार्मिक भावनाओं को पहुंचेगी ठेस

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के पहेला बैशाख (बंगाली नववर्ष) उत्सव की प्रसिद्ध और यूनेस्को मान्यता प्राप्त परंपरा 'मंगल शोभायात्रा' इस साल विवादों में घिर गई है। बांग्लादेश मीडिया (बीडी न्यूज 24) के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के वकील महमूदुल हसन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इस शोभायात्रा पर स्थायी प्रतिबंध की मांग की है। उन्होंने इसे धार्मिक विश्वासों के खिलाफ और आर्टिफिशियल परंपरा करार देते हुए कहा कि यह आम धार्मिक भावनाओं को आहत करती है और सांप्रदायिक सौहार्द, सार्वजनिक सुरक्षा तथा राष्ट्रीय स्थिरता के लिए खतरा है।

महामुदुल हसन का कहना है कि यह शोभायात्रा प्राचीन बंगाली परंपरा नहीं बल्कि 1989 में 'आनंद शोभायात्रा के नाम से शुरू की गई आधुनिक रचना है। उन्होंने बताया

कि पक्षियों, मछलियों और जानवरों के विशाल पुतले लेकर खुशहाली की कामना करना इस्लामी विश्वासों के अनुसार सही नहीं है, क्योंकि मुसलमान केवल अल्लाह से ही आशीर्वाद मांगते हैं। बांग्लादेश में पहले जब शेख हसीना की सरकार नहीं थी, तब अस्थायी प्रशासन ने 'मंगल' शब्द को शोभायात्रा के नाम से हटा दिया था। इसी कड़ी में इस साल के 1433वें बंगाली नववर्ष के लिए ढाका विश्वविद्यालय ने मार्च 30 को घोषणा की कि कार्यक्रम 'आनंद शोभायात्रा' के नाम से आयोजित होगा।

कच्चा-तेल 110 डॉलर पार, भारत के आयात बिल पर 16,000 करोड़ का बोझ बढ़ेगा, बढ़ सकती है महंगाई

ग्लोबल सप्लाई रोकने की ईरान ने दी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच बयानबाजी बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें आज फिर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को नर्क बनाने धमकी देने के बाद ईरान ने ग्लोबल सप्लाई ठप करने की बात कही है। इससे आज एक बैरल ब्रेंट क्रूड की कीमत $1.71 की बढ़कर $110.74 पर पहुंच गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह तनाव इसी तरह जारी रहा, तो कच्चे तेल की कीमतें $150 प्रति बैरल पहुंच सकती हैं।

इसके अलावा, अगर कच्चे तेल की कीमत में $1 की बढ़ोतरी सालभर बनी रहती है, तो भारत का

सालाना आयात बिल करीब 16,000 करोड़ बढ़ जाएगा। भारत अपनी जरूरत का लगभग 90% कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए यह स्थिति चिंताजनक है। ईरान ने होर्मुज रूट को लगभग बंद कर दिया है। दुनिया का करीब 20% तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। इसके बंद होने से न सिर्फ कच्चा तेल, बल्कि एल्युमीनियम, फर्टिलाइजर और प्लास्टिक की कीमतों में भी भारी तेजी आने लगी है।

तेल की कीमतें 10 डॉलर बढ़ने से 0.60% बढ़ेगी महंगाई

रेटिंग एजेंसी केयरएज ग्लोबल के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर प्रति बैरल बढ़ोतरी से भारत में रिटेल महंगाई 60 बेसिस पॉइंट्स (0.60%) तक बढ़ सकती है। भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए काफी हद तक पश्चिम एशिया पर निर्भर है, ऐसे में वहां के हालात बिगड़ने से भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट, GDP ग्रोथ और रुपए की वैल्यू पर भी दबाव बढ़ेगा।

कच्चा तेलः कोटक सिक्योरिटीज और नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज जैसे बड़े ब्रोकरेज हाउस ने चेतावनी दी है कि अगर 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' बंद रहता है, तो कच्चे तेल का भाव $110 से $150 के बीच रह सकता है। वहीं, ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी के अनुसार, अगर मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने पर भी कीमतें $85-$90 के नीचे नहीं आएंगी।

महंगाईः कच्चा तेल महंगा होने से पेट्रोल-डीजल और CNG-PNG की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ती है, जिसका सीधा असर फल, सब्जी और अन्य जरूरी सामानों की कीमतों पर पड़ता है।

रुपयाः डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हो सकती है, जिससे इम्पोर्ट महंगा होगा और विदेशी सामान खरीदना महंगा पड़ेगा। साथ ही विदेश में घूमने और पढ़ने के लिए भी ज्यादा कीमत देनी होगी।

ट्रम्प का अल्टीमेटम- मंगलवार रात 8 बजे तक का समय

ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही।

ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा।

अमेरिकी-इजरायल हमले में खुफिया चीफ माजिद खादेमी की मौत

ईरान को एक और झटका

हमला

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान को बड़ा नुकसान हुआ है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (IRGC) के खुफिया संगठन के प्रमुख माजिद खादेमी की मौत हो गई है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (IRGC) ने इस हमले के लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल IRGC ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि मेजर जनरल माजिद खादेमी की हत्या कहां हुई।

हालांकि, सोमवार तड़के सुबह ईरान की राजधानी तेहरान के आसपास के रिहायशी इलाकों को

निशाना बनाकर कई हवाई हमले किए गए।

फार्स न्यूज एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी गाड्र्स के एक बयान के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के खुफिया संगठन के प्रमुख, मेजर जनरल माजिद खादेमी, एक अमेरिकी-इजरायली हमले में मारे गए। आईआरजीसी ने कहा कि उनके प्रयास आने वाले कई वर्षों तक देश के खुफिया समुदाय के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम कर सकते हैं, खासकर रणनीतिक स्तर पर विदेशी दुश्मनों का सामना करने में।

खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था में निभाई थी प्रमुख भूमिका

जानकारी के अनुसार, माजिद खादेमी ने लगभग पांच दशकों तक ईरान की खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। खादेमी ने खुफिया और सुरक्षा के क्षेत्रों में क्रांति, व्यवस्था और इस्लामी मातृभूमि की ईमानदारी और साहस के साथ लगभग आधी सदी तक महत्वपूर्ण, स्थायी और शिक्षाप्रद योगदान दिया है।

> **सोमवार को इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमले में 25 से अधिक लोग मारे गए। यही नहीं ईरान ने भी इजरायल और उसके पड़ोसी देशों पर हमला किया। रविवार को हाइफा शहर में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल अटैक में दो लोगों की मौत हो गई थी।**

पश्चिम एशिया में तेज होती युद्ध की आग, क्या चीन और रूस खत्म करा पाएंगे संघर्ष?

बीजिंग । पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में धधक रहा है, जहां हालात हर घंटे और ज्यादा खतरनाक होते जा रहे हैं। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच सीधी टक्कर अब भीषण रूप ले चुकी है। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष में मिसाइल हमले, धमाके और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। शहरों में दहशत का माहौल है, लोग सहमे हुए हैं और हालात नियंत्रण से बाहर जाते दिख रहे हैं, जिससे बड़े युद्ध का खतरा लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में अब संघर्ष को लेकर चीन और रूस सक्रिय होते दिख रहे हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया में तुरंत युद्धविराम का आह्वान किया। वांग यी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं।

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मॉस्को, एजेंसी

रूस के एक प्रमुख मिसाइल डिजाइनर, अलेक्जेंडर लियोनोव, जिनका हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकॉन और नई पीढ़ी की भारत-रूस ब्रह्मोस NG के विकास से जुड़ाव था, का रविवार को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लियोनोव का निधन रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है।

अलेक्जेंडर लियोनोव, एनपीओ-माशिंनोस्त्रोयेनिया (NPO-MASH) के सीईओ और मुख्य डिजाइनर थे। यह संस्था नई दिल्ली स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस में रूसी संयुक्त उद्यम (JV) भागीदार है। आरबीसी समाचार पोर्टल के अनुसार, उनकी प्रेस सेवा ने उनकी मृत्यु के कारण या स्थान के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं दी।

लियोनोव, जिन्हें 'हीरो ऑफ लेबर' के गोल्डन स्टार से सम्मानित किया गया था, ने अंतरिक्ष प्रणालियों और मिसाइल प्रणालियों पर डिजाइन

कार्य का नेतृत्व किया। उन्होंने रूसी समाचार एजेंसियों के अनुसार, ग्रेनाइट, वल्कन और बैस्टियन तटीय रक्षा प्रणालियों के विकास और अपनाने में भाग लिया, जिसमें ओनेक्स (ब्रह्मोस) मिसाइल भी शामिल थी। इसके अलावा, उन्होंने रूसी-भारतीय ब्रह्मोस JV के लिए और उन्नत हाइपरसोनिक वाहनों पर भी काम किया। उनके नेतृत्व और विशेषज्ञता ने रूस की मिसाइल प्रौद्योगिकी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। लियोनोव को रूस की जिरकॉन मिसाइल के डिजाइन का श्रेय दिया जाता है। यह एक जहाज-आधारित हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे सतह और जमीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जंग : 2 लोगों की मौत, पूरे इलाके में गूंज रहे सायरन, मध्य इजरायल में हवाई हमले के सायरन गूंज उठे

इजरायल के हाइफा में ईरान ने दागीं मिसाइलें

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान ने इजरायल के हाइफा शहर पर मिसाइल से हमला किया है। इस हमले में इजरायल को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। ईरान द्वारा हाइफा शहर पर किए हमले में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग लापता हैं। ईरान के नए हमलों के बाद पूरे मध्य इजरायल में सायरन गूंज रहे हैं।

दरअसल, रविवार को ईरान इजरायल में चार मिसाइलें दागीं, इनमें से एक भारी मिसाइल हाइफा शहर में स्थित एक अपार्टमेंट ब्लॉक पर गिरी, जिससे इमारत का आधा हिस्सा ढह गया। इस दौरान जो हिस्सा खड़ा था, वह भी असंतुलित हो गया,

> **हाइफा में अपार्टमेंट पर मिसाइल गिरने के बाद राहत बचाव का कार्य चल ही रहा था, तभी ईरान की तरफ से एक और मिसाइल आने की आशंका के चलते एक और मिसाइल अलर्ट जारी किया गया। हालांकि, बाद में उस अलर्ट को हटा लिया गया।**

जिससे उसके ढहने का खतरा बढ़ गया और बचाव कार्य और भी मुश्किल हो गया। बता दें कि हाइफा उत्तरी इजरायल का तीसरा सबसे बड़ा शहर है, जो भूमध्य सागर के तट पर और माउंट कार्मेल के ढलानों पर स्थित है। हाइफा शहर अपने रणनीतिक महत्व के कारण अक्सर ईरानी मिसाइलों का निशाना बनता रहता है। हाइफा पास के लेबनान से सीमा पार से दागे जाने वाले हिज्बुल्लाह के रॉकेटों की मारक सीमा के भीतर भी आता है।

दो शव बरामद, दो लोग लापता

राहत बचाव दल पूरी रात काम करते रहे। सोमवार सुबह तक चले बचाव अभियान में मलबे से दो लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। इजरायली सेना ने ईरान की ओर से दागी गई और मिसाइलों का पता लगाया है, जिसके बाद से मध्य इजरायल में हवाई हमले के सायरन से बज रहे हैं।

राष्ट्रपति के खिलाफ 25वां संशोधन लागू करने की मांग

ईरान के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट कर फंसे ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप को पद से हटाने की मांग उठ गई है। दरअसल ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ईरान के बारे में अपमानजनक बातें लिखी, जिसे लेकर ट्रंप आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं।

कनेक्टिकट से डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अगर मैं ट्रंप की कैबिनेट में होता, तो मैं ईस्टर पर सांविधानिक वकीलों को 25वें संशोधन के बारे में बताता।' बता दें, अमेरिका का 25वां संशोधन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के ज्यादातर लोग अपनी ड्यूटी न कर

पाने की वजह से राष्ट्रपति को बदलने का विकल्प चुन सकते हैं और फिर उपराष्ट्रपति प्रेसिडेंट की भूमिका निभाते हैं। डेमोक्रेटिक सांसद यासमीन अंसारी ने भी पोस्ट किया, '25वां संशोधन किसी वजह से है।' पूर्व होस्ट मेहदी हसन ने लिखा, 'राष्ट्रपति का ईस्टर मैसेज, जिसके लिए वीपी और कैबिनेट को सच में 25वां संशोधन लागू करना चाहिए।' डेमोक्रेटिक रिप्रेजेंटेटिव मेलानी स्टैंसबरी की एक और अपील में कहा गया, 'सम्राट के पास कपड़े नहीं हैं। 25वें संशोधन का समय आ गया है। कांग्रेस और कैबिनेट को कार्रवाई करनी चाहिए।'

ट्रंप की पूर्व समर्थक मार्जोरी टेलर ग्रीन ने एक लंबा पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने अमेरिकी सरकार से ट्रंप के पागलपन में दखल देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'वो पागल हो चुके हैं और आप सभी इसमें शामिल हैं।' ट्रंप के विरोधी और पूर्व कांग्रेसी जो वॉल्श ने कहा, 'उनकी ईस्टर की सुबह की पोस्ट। और सिर्फ 2 दिन पहले, उनके एक धार्मिक सलाहकार ने उनकी तुलना ईसा मसीह से की थी। वह हमेशा इस देश और दुनिया पर भी एक दाग रहेंगे। अभी 25वां संशोधन हो।'

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96